संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-14 ◆अंक-170 ◆ रायपुर, शनिवार 18 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

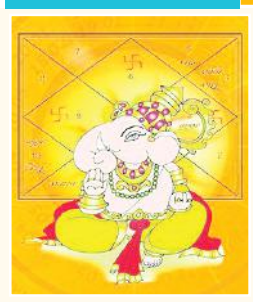

तिथि : पंचमी
नक्षत्र : उत्तराषाढा
प्रथम : करण
द्वितिय : करण
पक्ष :शुक्ल
वार : शनिवार
योग : गण्ड
सूर्योदय :06:46
सूर्यास्त :17:25
चंद्रमा : मकर
राहुकालः 09:26-10:46
विक्रमी संवत् : 2080
शक सम्वत् :1944
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त : अभिजीत : 11:44-12:27

मतदान के लिए लाइन में खड़ी महिला की मौत

बलौदाबाजार । विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दौरान जिले में बड़ा हादसा हो गया। वोट देने के लिए मतदान केंद्र पहुंची महिला की अचानक मौत हो गई है। यह मामला कसडोल थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, कसडोल विधानसभा क्षेत्र के मतदान क्रमांक 76 ग्राम मल्दा में वोट देने लाइन में खड़ी महिला की अचानक मौत हो गई। मृतका का नाम सहोदरा उम्र 60 वर्ष है। घटना की पुष्टि भूपेंद्र अग्रवाल निर्वाचन अधिकारी कसडोल ने की है।

छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के मतदान में 68.15 प्रतिशत वोटिंग

सभी 70 सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

रायपुर। दूसरे चरण की 70 सीटों के लिए शुक्रवार को वोट डाले गए। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार राज्य की 70 सीटों पर 68.15 प्रतिशत मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के अफसरों के अनुसार अभी ये आंकड़े बदलेंगे। यानी मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा।

राज्य की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने बताया कि सभी 70 सीटों पर मतदान शांति पूर्ण रहा। मतदाताओं में जबरदस्त उत्साह का माहौल था युवा वर्ग, महिलाओं, पुरुषों एवं तृतीय लिंग समुदाय सभी ने बढ़-चढ़ कर मतदान में अपनी भागीदारी निभायी है। दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों ने भी मतदान केन्द्र में आकर अपना मतदान किया है। बिंद्रानवागढ़ के 9 बूथों पर सुबह 7 से दोपहर बाद 3 बजे तक मतदान हुआ। बाकी सभी स?थानों पर सुबह 8 से शाम 5 बजे तक वोट डाले गए। कुछ बूथों पर शाम 5 बजे कतार लगी हुई थी। नियमानुसार शाम 5 बजे कतार में खड़े सभी लोगों को वोट डालने का मौका दिया गया। इसकी वजह से कहीं- कहीं देर शाम तक मतदान चलता रहा।

आयोग के कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कंगाले ने बताया कि द्वितीय चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में 5 बजे तक मतदान 68.15 प्रतिशत रहा। यह अनुमानित रूझान हैं क्योंकि मतदान केन्द्रों से आकडे प्राप्त होने में समय लगता है और इस रूझान में डाक मतपत्र से मतदान के आंकडे शामिल नहीं है। प्रत्येक मतदान केन्द्र का अंतिम आकडा सभी मतदान अभिकर्ताओं के साथ प्रारूप 17 में साझा किया जाता है।

कोरिया जिले के विधानसभा क्षेत्र कमांक 1 भरतपुर - सोनहत के मतदान केन्द्र कमांक 143 शेराडाड़ में 5 मतदाताओं के लिए अस्थायी मतदान केन्द्र, मतदान केन्द्र कमांक 139 कान्टो में 12 मतदाताओं के लिये एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 162 रेवला में 23 मतदाताओं हेतु मतदान केन्द्र बनाया गया था। यह तीनो मतदान केन्द्र गुरु घासीदास नेशनल रिजर्व फारेस्ट क्षेत्र में स्थित है जहां मतदान दलों को नदी-नालों को पार कर लंबी पैदल यात्रा करके जाना पड़ा था। इन तीनों मतदान केन्द्रों में 100 प्रतिशत मतदान पूर्ण हो चुका है। अब मतदान दल सकुशल वापसी कर रहे है।

खराब हुई ईवीएम, धोबनीडीह पोलिंग बूथ में हंगामा, बदली गई मशीन

बिलाईगढ़। बिलाईगढ़ विधानसभा के ग्राम धोबनीडीह पोलिंग बूथ में ईवीएम मशीन खराब होने का मामला सामने आया। जहां मतदाता द्वारा मतदान करने पर वीवी पैट में सिम्बोल ब्लैंक निकला। जिसके बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। ग्रामीणों ने नाराजगी जाहिर करते हुए मतदान केंद्र में ही विरोध करना शुरू कर दिया, हालाँकि मौके पर उपस्थित पीठासीन अधिकारी समय रहते ईवीएम मशीन खराब होने की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। फिर मौके पर भटगांव तहसीलदार अर्पण कुर्रे मतदान केंद्र पहुँचकर ग्रामीणों से बातचीत कर समझाने की कोशिश की और ईवीएम की जाँच कर दूसरी मशीन मतदान केंद्र में रखी गई जिसके बाद पुनः मतदान करना शुरू हुआ।

मतदान दल को निशाना बनाकर नक्सलियों ने किया विस्फोट

गरियाबंद। जिले में नक्सलियों ने मतदान दल को निशाना बनाने का प्रयास किया है। जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने मतदान करा कर लौट रहे मतदान दल के रास्ते में विस्फोट कर दिया। मतदान दल से कुछ दूरी पर हुए इस विस्फोट में कुछ मतदान कर्मियों को मामूली चोट आई है, लेकिन घटना के बाद सर्चिंग पर निकले आईटीबीपी के कुछ जवानों के घायल होने की भी सूचना है। बताया जा रहा है कि घटना गरियाबंद के बड़े कोबरा के पास हुई है। घायल जवानों को लाने के लिए मैनपुर से एंबुलेंस रवाना कर दिया गया है।

मध्यप्रदेश में 71.16 फीसदी मतदान

भोपाल । मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। प्रदेश में शाम पांच बजे तक 71.16 फीसदी वोटिंग हुई। कुछ घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा। प्रदेश की 5.60 करोड़ में से 71 प्र. से अधिक मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। प्रदेश में शाम 6 बजे तक 71 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ।

हालांकि चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मतदान प्रतिशत बढ़ने संभावना जताई है। इसका कारण दूरदराज के पोलिंग बूथ की रिपोर्ट अभी आना बाकी है। प्रदेश में 2018 में 75 प्रतिशत मतदान हुआ था। आयोग की तरफ से बताया गया कि शाम 6 बजे के बाद भी कई जगह मतदान जारी था। दरअसल कई लोग कतारों में लग कर मतदान का इंतजार कर रहे थे। प्रदेश में 64626 से अधिक पोलिंग बूथ पर मतदान हुआ। इसमें 252 और एक थर्ड जेंडर समेत 2533 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे।

शाम 5 बजे के आकड़े

भोपाल में शाम 5 बजे तक 59.19 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके अलावा इंदौर में 64.95 प्रतिशत, जबलपुर में 66.24 प्रतिशत और ग्वालियर में 61.64 फीसदी मतदान हुआ। इसके अलावा अनुपपूर में 74.85 प्रतिशत, अशोक नगर में 69.13 प्रतिशत, बालाघाट में 79.78 प्रतिशत, बड़वानी में 70.36 प्रतिशत, बैतूल में 73.96 प्रतिशत, भिंड में 58.41 प्रतिशत, भोपाल में 59.19 प्रतिशत, बुरहानपुर में 72.64 प्रतिशत, छतरपुर में 66.37 प्रतिशत, छिंदवाड़ा में 78.85 प्रतिशत, दमोह में 73.83 प्रतिशत, दतिया में 69.66 प्रतिशत, देवास में 76.42 प्रतिशत, धार में 72.35 प्रतिशत, डिंडोरी में 78.30 प्रतिशत, गुना में 74.98 प्रतिशत, हरदा में 74.20 प्रतिशत, झाबुआ में 73.10 प्रतिशत, कटनी में 69.03 प्रतिशत, खंडवा में 69.99 प्रतिशत, खरगोन में 75.54 प्रतिशत, मंडला में 71.52 प्रतिशत, मंदसौर में 78.07 प्रतिशत, शाजापुर में 80.95 प्रतिशत, श्योपुर में 77.33 प्रतिशत, शिवपुरी में 71.33 प्रतिशत, सीधी में 64.54 प्रतिशत, सिंगरौली में 72.20 प्रतिशत, टीकमगढ़ में 68.09 प्रतिशत, उज्जैन में 73.37 प्रतिशत, उमरिया में 74.22 प्रतिशत, विदिशा में 75.55 प्रतिशत मतदान हुआ।

सीएम भूपेश बघेल ने कतार में लगकर किया मतदान

रायपुर। सीएम भूपेश बघेल ने आज वोटिंग करने के लिए पहुंचे। कतार में लग कर उन्होंने मतदान किया। इस दौरान उनके परिवार के सदस्य भी मतदान करने के लिए पहुंचे।

द्वितीय वर्षगांठ
आमंत्रण

ग्राम - मड़ियापार (गुण्डरदेही) जिला-बालोद

भेंट गोवर्धन पर्वत तीर्थ

स्थापना के दो वर्ष पूरे

यह पर्वत गिरिराज भेंट गोवर्धन पर्वत है। इस पर्वत के निर्माण हेतु परम पवित्र बृज धाम मथुरा वृंदावन उत्तर प्रदेश जाकर भगवान श्री बांके बिहारी के दर्शन कर उनकी महान कृपा एवं विशेष आज्ञा प्राप्त की गई है। इनकी स्थापना के पूर्व महा पवित्र गिरिराज गोवर्धन की पंचकोशी परिक्रमा की गई तत्पश्चात भगवान बांके बिहारी द्वारिकाधीश की आज्ञा से इस परम पवित्र पर्वत की स्थापना हेतु अरब सागर मुंबई की शिला लगाई गई है। साथ ही देश की पवित्र 21 नदियां गंगा मैय्या, यमुना मय्या, नर्मदा मय्या, चंबल नदी, बेतवा नदी, गोदावरी, बाण गंगा, बेन गंगा, इंद्रावती, क्षिप्रा, सोनभद्र, मटियारी, बंजर, डंकिनी, शंखिनी, शिवनाथ, महानदी, तांदुला नदी, खरखरा नदी, अरपा एवं सोंढुर नदी की धाराओं से शिलाएं चुनकर लाया गया है। इन्हीं शिलाओं से यह पवित्र पर्वत निर्मित है।

परम पवित्र भगवान गिरिराज, भेंट गोवर्धन पर्वत का निर्माण एवं स्थापना धार्मिक ग्राम मड़ियापार के पूर्व मालगुजार स्व. श्री जगन्नाथ प्रसाद शुक्ला जी की 108 वीं जन्म जयंती वर्ष तथा उनके अनुज प्रकाण्ड पंडित स्व. बिष्णु दत्त शुक्ला जी की 101 वीं जन्म जयंती वर्ष के पावन अवसर पर उनके आशीर्वाद से उनके पौत्रों **श्री आलोक शुक्ला** राजस्व अधिकारी, निवास बोरसी दुर्ग, मूल निवास मड़ियापार तथा **श्री संजय मिश्रा** अधिवक्ता म.प्र. हाईकोर्ट जबलपुर, निवास मण्डला म.प्र. के द्वारा की गई है।

श्री आलोक शुक्ला, श्री संजय मिश्रा तथा ग्राम मड़ियापार के गो भक्तगण श्री पोखनलाल यादव, श्री अश्वनी कुमार केकती तथा श्री जगदीश केकती शुभ मुहूर्त में मथुरा वृंदावन जाकर पर्वत राज, गोवर्धन की पावन परिक्रमा किए तथा भगवान बांके बिहारी के दर्शन कर ग्राम मड़ियापार में भेंट गोवर्धन स्थापना हेतु विशेष आज्ञा एवं आशीर्वाद प्राप्त किये।

इस तीर्थ के दर्शन एवं पूजन से गो संवर्धन की प्रेरणा तथा आरोग्य एवं चिरायु जीवन प्राप्त होता है।

दुर्ग से बालोद सड़क मार्ग पर गुण्डरदेही से 5 किमी की दूरी पर स्थित है ग्राम मड़ियापार जहां पर निर्माण किया गया है, भव्य गोवर्धन पर्वत तीर्थ का। ग्राम के मध्य निर्मित गोवर्धन पर्वत तीर्थ स्थल का शुभारंभ एवं विधी विधान से प्राण प्रतिष्ठा कार्तिक शुक्ल पक्ष गोपाष्टमी तिथि 12 नवंबर 2021 में की गई। आगामी 20 नवंबर 2023 को गोपाष्टमी के अवसर पर धार्मिक स्थल तीर्थ के स्थापना का द्वितीय वर्षगांठ आयोजित है। ग्राम के गणमान्य पूर्वजों के याद में निर्मित पवित्र तीर्थ-स्थल के स्थापना अवसर पर आयोजित मड़ई (मेले) का आकर्षण-

कार्यक्रम

11 बजे प्रातः भेंट गोवर्धन पर्वत का पूजन एवं प्रसाद वितरण

दोपहर 3 बजे से - श्री टीकमशरण मरकाम गरियाबंद वाले द्वारा हरिकीर्तन तथा रामायण गायन कार्यक्रम

एक नजर

थर्ड जेंडर ने भी निभाई भागीदारी

महासमुंद । जिले में तृतीय लिंग के 20 मतदाता है। वे इस बार मत डालने के लिए काफी उत्सुक दिखाई दे रहे हैं। बागबाहरा की रहने वाली सारिका ने कहा कि हमने इस बार वीडियो के माध्यम से न केवल थर्ड जेंडर से बल्कि सभी से मतदान करने की अपील की है। निश्चित रूप से इसका असर देखने को मिलेगा। हमने सभी अपने साथियों को मत देने का आग्रह किया है। लोकतंत्र के इस पर्व में हमारी भी भागीदारी सुनिश्चित होगी।

मतदान कर्मियों द्वारा प्रथम मतदाता का तिलक लगाकर स्वागत किया गया

बालोद, । जिला मुख्यालय बालोद के स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल आमापारा बालोद मतदान केंद्र क्रमांक 36 में पहली मतदाता के रूप में पेमेश्वरी साहू ने मतदान किया। इसी तरह मतदान केंद्र क्रमांक 38 में नवीन युवा मतदाता आर्यन यदु ने मतदान किया तथा सेल्फी पॉइंट में सेल्फी भी लिया। मतदान केंद्र में इन दोनो मतदाताओ का तिलक लगाकर स्वागत भी किया गया।

मतदान केंद्र के बाहर दिख रही मतदाताओं में भारी उत्साह

बालोद, । बालोद जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतदान करने हेतु मतदान केंद्र के बाहर मतदाताओं में भारी उत्साह दिखाई दे रही हैं। मतदान केन्द्रों में सुबह से ही मतदाताओं की लम्बी कतारे लग रही है । उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन के द्वारा मतदाताओं को मतदान करने के लिये प्रोत्साहित करने हेतु विशेष अभियान चलाये गये थे जिसके परिणाम स्वरूप मतदाताओं में मतदान करने हेतु उत्साह दिखाई दे रहा है।

विधानसभा गुंडरदेही के ग्राम कोसागोंदी में तीन पीढ़ियों ने एक साथ किया मतदान

बालोद, । बालोद जिले के मतदान केन्द्र विधानसभा गुंडरदेही के ग्राम कोसागोंदी में आज एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों ने एक साथ मतदान किया गया। उल्लेखनीय है कि ग्राम कोसांगोंदी में स्थित मतदान केन्द्र में श्री जयंत गुरु उम्र 77 वर्ष अपने पुत्र श्री तन्जू कुमार उम्र 48 वर्ष तथा नाती अमित कुमार उम्र 20 वर्ष के साथ मतदान करने हेतु मतदान केन्द्र पहुंचे। सर्वप्रथम नाती अमित ने मतदान करने की इच्छा जताई। उसकी इच्छा का सम्मान करते हुये परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री जयंत गुरु ने उसे पहले मतदान करने हेतु प्रोत्साहित किया। इसके उपरान्त पिता एवं दादा ने भी मतदान किया।

दिव्यांग मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

बालोद, । विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए जिले के मतदाताओं ने भारी उत्साह एवं जागरूकता का प्रत्यक्ष उदाहरण आज मतदान केंद्र क्रमांक 209 कोल्हियमर में देखने को मिला जिसमें लम्बे समय से बीमार एंव दिव्यांग बुजुर्ग है तथा जिनका निरंतर ईलाज भी चल रहा है फिर भी अपने मताधिकार उपयोग करने हेतु ग्राम कोल्हियमर में स्थापित मतदान केन्द्र 209 में उपस्थित हुई तथा अपने मताधिकारी का उपयोग किया ।

आदर्श मतदान केन्द्र झलमला में सास बहु संग गई मतदान करने

बालोद, । विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत ग्राम झलमला के मतदान केन्द्र में श्रीमती रानू साहू ने अपनी नव विवाहिता बहु श्रीमती कौशल्या साहू के साथ मतदान केन्द्र 79 में उपस्थित होकर मतदान किया। श्रीमती कौशल्या साहू ने बताया कि आज अपनी सास के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंची है तथा अन्य लोगों को भी मताधिकार का उपयोग करने के लिये भी प्रेरित कर रही हैं। इस दौरान सास बहू ने सेल्फी पाइंट में सेल्फी भी ली।

आदर्श मतदान केंद्र आमापारा में नव विवाहित जोड़े ने किया मतदान

बालोद, । बालोद जिले में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की सफलता देखने को मिल रही है। जिसके अन्तर्गत आज बालोद निकाय के मतदान केन्द्र क्रमांक 38 में वार्ड क्र. 15 के श्री रज्जाक खान ने अपनी नव विवाहिता पत्नी श्रीमती प्रीति के साथ सर्वप्रथम मतदान कर मतदान केंद्र में उपस्थित होकर मतदान किया। श्री रज्जाक ने बताया कि आज उनकी धर्मपत्नी ने पहली बार मतदान कर लोगों से भी मतदान करने की अपील की। मतदान करने बाद नवविवाहितो ने सेल्फी जोन में तस्वीरें भी ली।

विशेष पिछड़ी जनजाति के मतदाताओं ने मतदान के प्रति दिखाई रूचि

महासमुंद । जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के वोटरों का इस बार विशेष रूझान दिखाई दिया। पिथौरा, बागबाहरा और महासमुंद जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति के मतदाता आगे बढ़कर वोट कर रहे हैं। कमार जनजाति बहुल संगवारी मतदान केंद्र - सिर्री पठारीमुड़ा विकासखंड- बागबाहरा को कमार जनजाति द्वारा निर्मित सूपा, पर्रा, टुकनी, धान बाली, छिंद पत्ते आदि से सजाया गया है। पिछड़ी जनजाति कमार के महिला, पुरूष मतदाता बढ़-चढ़कर वोटिंग कर रहे हैं। ग्राम सिर्री के कमार मतदाता ने बताया कि वे आज सुबह से मतदान देने के लिए तैयार हो गए है। सामान्यतः वे खेत और जंगल में रहकर काम करते है। लेकिन आज के इस चुनई तिहार में वे भी भागीदारी निभाने आए हैं।

युवाओं, माताओं ,मतदाताओं के उत्साह ने बता दिया छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार लौट रही है : अरुण साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने प्रदेश विधानसभा चुनाव के द्वितीय चरण के मतदान में स्वस्फूर्त हिस्सा लेने के लिए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। भाजपा ने कहा है कि स्वस्फूर्त मतदान का प्रतिशत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश में परिवर्तन की प्रचण्ड लहर बह रही है और कांग्रेस के कुशासन और कुनीतियों से त्रस्त मतदाता कांग्रेस की भूपेश सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने के निश्चय के साथ मतदान केंद्रों तक बड़ी संख्या में पहुंचे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी के साथ साथ अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार, छलावा से बेहद रुष्ट है और जनता ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपने आक्रोश को अपने मताधिकार के जरिए व्यक्त किया है। अब यह आईने की तरह साफ हो गया है कि परिवर्तन की आंधी में कांग्रेस और उसकी भूपेश सरकार का छत्तीसगढ़ में सूपड़ा साफ होने जा रहा है। प्रदेश के हर वर्ग के साथ धोखाधड़ी करके पूरे छत्तीसगढ़ को निराशा के गर्त में धकेलने वाली भूपेश सरकार की गिनती पूरी हो चुकी है।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मतदान के प्रति जनता, खासकर महिलाओं और युवाओं के उत्साह को प्रदेश की भूपेश सरकार की बिदाई का फरमान बताया है। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रदेशभर में मतदान के द्वितीय चरण में जनता की बढ़ङ्कचढ़कर की गई भागीदारी भूपेश सरकार के प्रति जनाक्रोश की अभिव्यक्ति का प्रमाण पत्र है। अपने किए वादों को पूरा नहीं करके, पूर्ण शराबबंदी के वादे से मुकर कर, बेरोजगारी भत्ते के मुद्दे पर छलावा व नई भर्तियों को रोककर और अनियमित, संविदा व दैनिक वेतनभोगी कर्मियों का नियमितीकरण नहीं करके भूपेश सरकार ने विश्वासघात किया है। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रदेश की जनता का श्राप, कांग्रेस और भूपेश सरकार साफ।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राज्यसभा सासंद डॉ. सरोज पाण्डेय ने कहा कि मतदान के प्रति प्रदेश के मतदाताओं के उत्साह से भाजपा का यह विश्वास दृढ़तर हो गया है कि पहले चरण की तरह दूसरे चरण का मतदान भी भाजपा के लिए अनुकूल परिणाम लेकर आएगा और छत्तीसगढ़ में भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने जा रही है। डॉ. (सुश्री) पाण्डेय ने उत्साहपूर्वक मतदान के लिए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि मतदान में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी भाजपा की जीत की गारंटी है और भाजपा महिलाओं के सम्मान और सुरक्षित विकास के अवसर के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मंत्री लता उसेंडी ने भी द्वितीय चरण के मतदान में उत्साहपूर्वक भागीदारी के लिए सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। सुश्री उसेंडी ने कहा कि पांच वर्षों के कांग्रेसी कुशासन का संचित जन-आक्रोश इस मतदान में व्यक्त हुआ है और यह भाजपा के प्रति बढ़े जन विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है। अब छत्तीसगढ़ में भाजपा की बनने जा रही प्रचंड बहुमत की सरकार श्रद्धेय अटलजी के स्वप्नों को धरातल पर साकार कर छत्तीसगढ़ को सँवारने के लिए संकल्पित है।

प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने मतदान के प्रति अभूतपूर्व उत्साह का प्रदर्शन करने पर प्रदेश की जनता का आभार माना और कहा कि विशेषकर प्रदेश की मातृ शक्ति का मतदान के प्रति यह उत्साह और उमंग भाजपा के संकल्पों और मोदी की गारंटी पर मुहर है। श्री चंदेल ने कहा कि यह प्रदेश की मातृङ्कशक्ति का भाजपा के प्रति विश्वासपूर्ण अनुग्रह का परिचायक है। प्रदेश में सरकार बनते ही भाजपा अपने संकल्प पत्र पर पूरी ईमानदारी के साथ अमल करेगी।

भाजपा सांसद और प्रदेश चुनाव घोषणा पत्र के संयोजक विजय बघेल ने कहा कि स्वस्फूर्त मतदान केंद्रों तक बड़ी संख्या में पहुंचे मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व को गरिमामंडित किया है। मतदान के प्रति यह जागरुकता छत्तीसगढ़ को सँवारने के हमारे संकल्पों की बुनियाद सिद्ध होने जा रही है। परिवर्तन की लहर जो पूरे प्रदेश में महसूस की जा रही थी, वह मतदान केंद्रों में आंधी बन गई है। इस आंधी में कांग्रेस, भूपेश सरकार और खुद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का राजनीतिक तम्बू उखड़ने जा रहा है।

भाजपा के प्रदेश महामंत्री त्रय केदार कश्यप, विजय शर्मा और ओ.पी. चौधरी ने भी दूसरे चरण के मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ के मतदाताओं का आभार माना है। भाजपा महामंत्री त्रय ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि छत्तीसगढ़ के मतदाताओं ने जिस अभूतपूर्व उत्साह से अपने बहुमूल्य मताधिकार का प्रयोग किया है, वह सरहानीय है। मतदाताओं के जोश को देखकर यह बात स्पष्ट हो गयी है कि जनता ने प्रदेश में कांग्रेस के कुशासन, लूट, माफियाराज, अराजकता, भय, भूख और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनादेश दे दिया है। मतदाताओं ने परिवर्तन के पक्ष में मतदान किया है। जनता ने कांग्रेस के कुशासन को उखाड फेंकने के लिए जो ऐतिहासिक मतदान किया है, 3 दिसंबर को मतगणना में उसकी पुष्टि हो जायेगी और भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी।

राज्यपाल श्री हरिचंदन ने किया मतदान

रायपुर। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन एवं प्रथम महिला श्रीमती सुप्रभा हरिचंदन ने आज सिहावा भवन सिविल लाईन्स स्थित आदर्श मतदान केंद्र पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने प्रदेश के सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मतदान के बाद राज्यपाल ने सेल्फी जोन में फोटो भी खिंचाई।

रायपुर। जनसंपर्क एवं परिवहन आयुक्त श्री दीपांशु काबरा ने आज सपरिवार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जनसंपर्क आयुक्त श्री दीपांशु काबरा के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रचना काबरा ने भी वोट डालकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

रायपुर। जनसंपर्क सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने आज सपरिवार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जनसंपर्क सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती गार्गी परदेशी ने भी वोट डालकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

मतदान दिवस को मतदान केन्द्रों के 100 मीटर के भीतर किसी प्रकार की मतयाचना/प्रचार प्रतिबंधित

- **मतदान केन्द्रों की 100 मीटर परिधि के भीतर मोबाइल फोन ले जाना, उपयोग प्रतिबंधित**
- **मतदान केन्द्रों के 100 मीटर के भीतर किसी प्रकार की मतयाचना-प्रचार रहेगी प्रतिबंधित**
- **कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सौरभ कुमार ने किए आदेश जारी**

कोरबा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा उपरांत सम्पूर्ण जिलें में आदर्श आचरण प्रभावशील है। भारत निर्वाचन आयोग के आदेश के तहत कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री सौरभ कुमार ने निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है। उन्होंने मतदान दिवस 17 नवंबर को कोरबा जिलें में मतदान प्रातः 08 बजे से अपरान्ह 05 बजे तक मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व से मतदान दिवस तक सार्वजनिक सभा, रैली एवं रोड़ शो एवं लाउडस्पीकर के माध्यम से प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित किया है। श्री सौरभ कुमार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने आदेश पारित किया है कि कोरबा जिलें के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति घातक अस्त्र-शस्त्र जैसे बंदूक, पिस्टल, रायफल, रिवाल्वर, तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छूरा, कुल्हाडी, बरछी, गुप्ती, त्रिशूल, खुकर, सांग एवं बल्लम अन्य प्रकार के घातक हथियार तथा विस्फोटक सामग्री लेकर किसी भी सार्वजनिक स्थान आम सड़क रास्ता सार्वजनिक सभाओं एवं अन्य स्थानों पर लेकर नही चलेगा। कोई भी राजनीतिक दल या व्यक्ति सशस्त्र जुलूस नहीं निकलेगा और न ही आपत्तिजनक पोस्टर वितरित करेगा। बल्क एस. एम. एस. एवं फोन कॉल करना भी प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश उन शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा जिन्हें अपने कार्य संपादन के लिए लाठी या शस्त्र रखना आवश्यक है। यह आदेश उन शासकीय कर्मचारियों पर भी लागू नही होगा जिन्हें चुनाव व मतदान के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस अधिकारी नियुक्त किया गया है। यह आदेश उन व्यक्तियों पर भी लागू नहीं होगा जिन्हें शारीरिक दुर्बलता, वृद्धावस्था तथा निःशक्त होने के कारण सहारे के रूप में लाठी रखना आवश्यक होता हैं। विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत जिलें में मतदान हेतु नियत तिथि 17.11.2023 को मतदान समाप्ति के समय से 48 घण्टे पहले एवं एक दिन बाद तक अर्थात् 15.11.2023 शाम 05 बजे से दिनांक 18.11.2023 तक समूह में या 05 से अधिक व्यक्तियों को एक साथ इकट्ठा होने / आने-जाने की अनुमति नहीं होगी। कोरबा जिलें के विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह न तो कोई सभा करेगा, न कोई रैली या जुलूस निकाल सकेगा, न ही कोई धरना देगा। प्रचार/मतयाचना हेतु लाउडस्पीकर का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। मतदान दिवस को मतदान केन्द्रों के 100 मीटर के भीतर किसी प्रकार की मतयाचना/प्रचार प्रतिबंधित रहेगी। मतदान केन्द्रों की 100 मीटर परिधि के भीतर मोबाइल/फोन ले जाना/उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले समूह/व्यक्ति के विरूद्ध धारा 188 भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। अतः यह आदेश निर्वाचन समाप्ति तक प्रभावशील रहेगा। समय कम होने के कारण किसी पक्ष या व्यक्ति को सुनवाई का अवसर दिया जाना व्यवहारिक कारणों से संभव नही है। अतः यह आदेश समयाभाव के कारण एकपक्षीय पारित किया गया है । दिनांक 18.11.2023 के पश्चात आदेश प्रभावशील नहीं रहेगा, किन्तु इस कार्यालय का आदेश क्रमांक 1336/ निर्वा. पर्य./सामा./निर्वा./वि.स.नि./2023-24 कोरबा दिनांक 09.10.2023 आदर्श संहिता लागू रहने तक प्रभावशील रहेगा।

लोकतंत्र में सहभागिता निभाने हर आयु वर्ग के मतदाताओं ने दिखाया उत्साह

बलौदाबाजार

विधानसभा निर्वाचन 2023 में शुक्रवार 17 नवम्बर को जिले के हर आयु वर्ग के मतदाताओं ने लोकतंत्र के उत्सव में अपनी सहभागिता निभाने उत्साह दिखाया। मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही मतदान के लिए मतदाताओं की कतार लग गई थी। सभी मतदाताओं ने कतार में लगकर बारी-बारी से अपने मताधिकार का प्रयोग किया और यह क्रम मतदान समाप्ति तक चलता रहा। प्राप्त अनंतिम आंकड़े अनुसार शाम 5 बजे तक जिले का मतदान प्रतिशत 70.70 रहा। शाम 5 बजे के बाद भी जो मतदाता मतदान केंद्र परिसर के अंदर पहुंच गए वे कतार में मतदान के लिए खड़े हुए है। अनंतिम आंकड़े के अनुसार कसडोल विधानसभा क्षेत्र में 67.19 प्रतिशत, बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र में 72 प्रतिशत तथा भाटापारा विधानसभा क्षेत्र में 74.27 प्रतिशत मतदान हुआ है। मतदान केन्द्रों में बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। बुजुर्ग एवं दिव्यांगजनों के लिए स्कॉउट गाईड, एनसीसी के बच्चों ने मतदान मित्र के रूप में तथा पुलिस के जवानों ने सेवा भावना के साथ मदद की। उनके लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई थी। सेल्फी जोन में फोटो खींचाकर मतदाताओं ने अपनी खुशी जाहिर की। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चंदन कुमार मतदान केन्द्रों का भ्रमण कर व्यवस्था का लगातार निरीक्षण करते रहे। निर्वाचन को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के चाक-चौबंद

इंतजाम किए गए थे। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने जिले में 68 आदर्श एवं 35 40 संगवारी मतदान केन्द्र केन्द्र बनाए गए। संगवारी मतदान केंद्रों में मतदान दल संपूर्ण रूप से महिला अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। इन मतदान केन्द्रों में महिलाओं ने बड़ी संख्या में मतदान किया और उन्होंने संगवारी मतदान केन्द्र की प्रशंसा की। इसी तरह प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 1-1 दिव्यांग एवं में 1-1 युवा मतदान केन्द्र बनाए गए थे।

मतदान करने में दिव्यांग व बुजुर्ग भी नहीं रहे आगे -

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के ऐसे मतदाता जो मतदान केन्द्रों तक पहुंचने में असमर्थ थे, उन्हें चिन्हांकित कर होम वोटिंग की सुविधा दी गई। इसके बाद भी मतदान केन्द्रों पर बड़ी संख्या में बुजुर्ग मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। आयोग द्वारा ऐसे बुजुर्ग मतदाताओं के लिए मतदान केन्द्रों पर व्हील चेयर की भी व्यवस्था की गई थी और स्कॉउट-गाईड, एनसीसी के बच्चों ने मतदान मित्र के रूप में, तो कहीं पुलिस के जवानों ने सेवा भावना के साथ उनकी मदद भी की। इसीतरह दिव्यांग मतदाताओं ने भी कठिनाईयों को दरकिनार कर मतदान केन्द्रों में पहुंचे और अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

नये मतदाताओं ने पहली बार किया मतदान -18 वर्ष के ऐसे युवा जिन्होंने मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाया था जिनमे अधिकांश कॉलेज के छात्रों ने पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग किया। युवाओं ने बड़े उत्साह के साथ मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मताधिकार का प्रयोग किया। पहली बार मतदान करने पर उन युवाओं के चेहरे पर खुशियां दिखी।

विशेष थींम पर बने मतदान केंद्र रहे आकर्षण का केंद्र - इस बार आदर्श मतदान केंद्रों को विशेष थींम पर सजाया गया था जो मतदाताओ के लिए आकर्षण का केंद्र रहा जहां सेल्फी पॉइंट में मतदाता उत्साह के साथ फोटो खिंचाए।महिला मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बनाए गए संगवारी मतदान केन्द्रों में बड़ी संख्या में महिला मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंची। संगवारी मतदान केन्द्रों के महिला मतदान दलों द्वारा मतदान कराया गया। इन मतदान केन्द्रों में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक मतदान किया और संगवारी मतदान केन्द्र की प्रशंसा की।

गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने इलेक्ट्रिक ऑटो इबलुरोज़ी अनूठे रोडसाइड असिस्टे

रायपुर। इलेक्ट्रिक 2-व्हीपलर्स और 3-व्ही लर्स की इबलु रेंज बनाने वाली, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स ने आज अपने ईवी थ्री-व्हीहलर इबलुरोज़ी के लिये अपनी तरह के अनूठे रोडसाइड असिस्ट्रेन्सट प्रोग्राम की घोषणा की है। कंपनी नवंबर महीने में खरीदे गये (1 नवंबर से 30 नवंबर 2023 तक) सारे इबलुरोज़ी के लिये 3 साल के कॉम्लीने मेंटरी रोडसाइड असिस्टेन्सं की पेशकश कर रही है। यह आरएसए देशभर में कंपनी के सभी टचपॉइंट्स पर उपलब्धम होगा। 24×7 रोडसाइड असिस्टेबन्से प्रोग्राम ग्राहकों के लिये बिना किसी अतिरिक्तन खर्च के संपूर्ण मानसिक शांति की गारंटी देता है और इसमें कई फायदे होंगे, जैसे कि फ्लैट टायर असिस्टेकन्सर, बैटरी जम्पमस्टार्ट, लॉकआउट सर्विस, छोटी-मोटी मरम्मैतें और टोइंग सर्विस। बिना वारंटी वाली किसी इमरजेंसी में ग्राहकों की सहायता करने के लिये चौबीसों घंटे चालू रहने वाली एक समर्पित हेल्पोलाइन होगी। एक समर्पित हेल्पेलाइन नंबर ग्राहकों की सहायता करेगा और कुशल तकनीशियनों को ग्राहकों के लोकेशन पर भेजा जाएगा और जरूरत होने पर उनके पास टोइंग ट्रक भी होगा। बड़ी टूट-फूट के मामले में 40 किलोमीटर तक का टोइंग सपोर्ट नजदीकी अधिकृत सर्विस सेंटर को मिलेगा। इस पहल पर अपनी बात रखते हुए, गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स के सीईओ श्री हैदर खान ने कहा, ''हमारे पास ग्राहकों पर फोकस करने वाला एक स्पष्टव नजरिय है, क्योंकि देश में ईवी को सबसे ज्या दा तेजी से अपनाया जा रहा है और पिछले दो वर्षों में ईवी को लेकर लोगों की धारणा में बड़ा बदलाव हुआ है। हमने इबलुरोज़ी के ग्राहकों के लिये सावधानी से आरएसए प्रोग्राम को तैयार किया है और अपने तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया है, ताकि वे कम से कम टर्नअराउंड टाइम में ग्राहकों की चिंताओं को हल कर सकें। हम अपने ग्राहकों के लिये ईवी का स्वाहमित्वे बढ़ाना और एक संपूर्ण परितंत्र बनाना जारी रखेंगे, ताकि स्था यित्वर का एजेंडा आगे बढ़ सके।'' देशभर में अभी गोदावरी इलेक्ट्रिक मोटर्स की 50 डीलरशिप्सं हैं और कंपनी इस वित्ति-वर्ष के अंत तक अपनी डीलरशिप्सर की संख्यान 100 तक पहुंचाना चाहती है। कंपनी अभी इलेक्ट्रिक वाहन उत्पासदों की एक व्या पक श्रृंखला रिटेल करती है, जिसमें इबलु फियो स्कूचटर, इबलु स्पिन और थ्रिल ई-बाइसिकल रेंज तथा इबलु रेनो लोडर शामिल हैं।

एचडीएफसी बैंक ने अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी जागरूकता सप्ताह मनाया

नई दिल्ली । एचडीएफसी बैंक, भारत में प्राइवेट सेक्टर के प्रमुख बैंक ने अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी जागरूकता सप्ताह (आईएफएडब्ल्यू) के उपलक्ष्य में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आईआईपीए) के सहयोग से 'बैंकिंग/फाइनेंशियल साइबर क्राइम प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन' पर एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस की मेजबानी की। यह लगातार चौथा वर्ष है जब एचडीएफसी बैंक आईएफएडब्ल्यू के दौरान साइबर धोखाधड़ी जागरूकता में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। इस सम्मेलन के माध्यम से, एचडीएफसी बैंक का लक्ष्य विशेषज्ञों, प्रेक्टिशनर्स, नीति निर्माताओं और हितधारकों को साइबर अपराध की रोकथाम पर अपनी गहन जानकारी, अनुभव और बेस्ट प्रेक्टिसिज को शेयर करने और साइबर सुरक्षा और लचीलापन बढ़ाने के लिए ठोस और कार्रवाई योग्य सिफारिशें तैयार करने के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रदान करना है। कॉन्फ्रेंस में इलेक्ट्रॉनिक्स और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मंत्रालय, आईआईपीए, गृह मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी), नेशनल साइबर सिक्योरिटी कोऑर्डिनेटर (एनसीएससी), सीईआरटी-इन, दिल्ली पुलिस, हरियाणा पुलिस, उत्तर प्रदेश पुलिस और अग्रणी बैंकों और वित्तीय मध्यस्थों के वरिष्ठ अधिकारी के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया मतदान

महासमुंद । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रभात मलिक एवं पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने आज सुबह 9 बजे मचेवा के मतदान केन्द्र क्रमांक 225 में मतदान किया। उन्होंने मतदाताओं के साथ लाईन लगाकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए मतदान किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी से मतदान करने की अपील की। कलेक्टर एवं एस पी ने सेल्फी जोन में तस्वीर भी लिया इस दौरान उन्होंने स्काउट गाइड के मतदाता मित्रों से मिलकर उनके कार्यों की सराहना की कलेक्टर ने यहां मतदाता सहायता केंद्र में भी जाकर बीएलओ से जानकारी ली। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एस. आलोक ने सपत्नीक मतदान किया।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

शनिवार 18 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

अभनपुर भाजपा प्रत्याशी के गृह ग्राम बेन्द्री में ईवीएम मशीन हुआ खराब

नवापारा राजिम। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत 70 सीटों पर मतदान हुआ। अभनपुर विधानसभा के अंतर्गत नवापारा नगर में इस बार मतदान के लिए मतदाताओं में जमकर उत्साह देखा गया। खासतौर से युवा महिला मतदाता ज्यादा उत्साहित थे। मतदान केन्द्रों में सुबह 8 बजे के पहले ही वोटरों की लाईन लगनी शुरू हो गई थी। अनेक ऐसे मतदान केन्द्र रहे, जहां बुजुर्गों- बुढ़ो को मतदान के प्रति उत्सुक देखा गया। दोपहर के बाद मतदाताओं की भीड़ बढ़ने लगी।

नए मतदाताओं की प्रतिक्रिया

सीए की कोचिंग कर रही मनस्वी जैन ने पहली बार मतदान कर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पहली बार मतदान कर बहुत खुशी का अनुभव कर रही हूं। देश के नीति निर्धारण की दिशा दशा तय करने तथा राष्ट्रहित में मेरा पहला योगदान कर खुश हूं। अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बेन्द्री में सुबह ईवीएम मशीन खराब हो गई। यह भाजपा प्रत्याशी इंद्र कुमार साहू का गृह ग्राम है। मतदाताओं और प्रत्याशी भी वोट डालने पहुंचे थे, लेकिन खराबी के चलते मतदान के लिए इंतजार करना पड़ा। फिलहाल यहां मशीन सुधार लिया गया है और मतदान सुचारू रूप से चल रहा है।

हरिहर स्कूल में दिखा अव्यवस्थाओं का आलम

नवापारा के शासकीय हरिहर उच्चतर माध्यमिक शाला भवन में पांच बूथ केंद्र बनाया गया है। यहां भारी अवस्थाओं का आलम देखा गया है। मतदान केंद्र के 100 मीटर पहले ही सभी का मोबाइल बाहर करवा दिया जा रहा है। मुख्य मार्ग पर बाउंड्री के पास ही मोबाइल को बाहर रखने के लिए मतदाता परेशान होते दिखे। बाहर में किसी भी तरह से मोबाइल रखने के लिए काउंटर की व्यवस्था नही थी, जिससे बहस की स्थिति उत्पन्न हो गई थी।

वही असहाय और असक्त लोगों के लिए बाहर से बुथ केंद्र तक जाने के लिए न गाड़ी को परमिशन दिया जा रहा है और न ही कोई व्यवस्था की गई थी। पीने के पानी की भी सुविधा नहीं है।

यहां किसी प्रकार से मेडिकल की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस बूथ में मतदान के दौरान सुबह एक युवक बेहोश होकर गिर गया। आनन फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया। वहीं एक असहाय महिला पैदल ही मतदान केंद्र से सड़क मार्ग तक पैदल जाना पड़ा।

निर्वाचन आयोग की व्यवस्थाओं को खुली पोल

शत प्रतिशत मतदान को लेकर प्रतिबद्ध आयोग द्वारा ऐसे निःशक्त मतदाता जो मतदान केंद्र तक नहीं पहुंच सकते उनको घर पर ही मतदान की व्यवस्था की गई थी। परंतु हमारे प्रतिनिधि ने ऐसे कई मतदाताओं से चर्चा की जो या तो दिव्यांग थे या असहाय ऐसे ही कुछ मतदाता कुंती साहू वार्ड 20, प्रकाश ध्रुव वार्ड 20, चित्रलेखा साहू (दिव्यांग) वार्ड 18, मोहन बंजारे वार्ड 9 इन सभी ने बताया मतदान केंद्र तक पहुंचने में परेशानी तो बहुत होती है परंतु हमारी नैतिक जिम्मेदारी है की राष्ट्र हित में अपने मताधिकार का उपयोग जरूर करें।

आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लघन कर रहे नोडल एवम सहायक नोडल अधिकारी

नगर पालिका परिषद गोबरा नवापारा के सहायक अभियंता अनूप सोनी नोडल अधिकारी तथा राजस्व निरीक्षक निखिल चंद्राकर को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है परंतु मतदान के दिन दोनों अधिकारी चुनाव कार्य से नदारद रहे। इस संबंध में नोडल अधिकारी से संपर्क करने पर उन्होंने कहा मैं घर में हूं आपको क्या काम है बताइए आपका काम हो जायेगा। मिलने की बात करने पर उन्होंने मिलने से इंकार कर दिया। वहीं सहायक नोडल अधिकारी के मोबाइल नंबर 9926744196 पर बार बार संपर्क करने पर उन्होंने फोन नहीं उठाया।

क्या कहते हैं अधिकारी

नपा के सीएमओ संतोष विश्वकर्मा से इस संबंध में

जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया आज मतदान दिवस को नोडल एवम सहायक नोडल अधिकारी को सतत रूप से उपस्थित रहना था परंतु उक्त दोनों अधिकारी अनुपस्थित हैं। वही नदारद सहायक अधिकारी का कहना है कि वो मतदान के दिन बजे मतदान करने अपने गाँव गया था.

वहीं मौके पर पहुंच चुनाव आयोग के आब्जर्वर से इस संबंध में चर्चा की गई, लेकिन उन्होंने मीडिया को कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

लोकतंत्र को मजबूत बनाने बिलासपुर के मतदाताओं ने दिखाया उत्साह

बिलासपुर (दैनंदिनी)। जिले में आज संपन्न हुये विधानसभा चुनाव के मतदान में मतदाताओं में उत्साह देखा गया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के मतदान केंद्रों में मतदाता सुबह से कतारबद्ध होकर मतदान हेतु अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई दिये। चुनाव आयोग द्वारा स्वीप कार्यक्रम सहित अन्य माध्यम से किये गये प्रचार प्रसार एवं मतदाताओं को वोट डालने दी गई सुविधाओं की वजह से मतदान करने लोगों का उत्साह बना रहा। निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के लिए नियुक्त प्रेक्षक मतदान की प्रक्रिया का जायजा

लेते रहे वहीं कलेक्टर श्री अवनीश शरण, पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कुमार सिंह, सहित आला अधिकारी मतदान केंद्रों का भ्रमण करते रहे। जिले में मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ।

जिले में मतदान करने लोगों में अभूतपूर्व उत्साह नजर आया। युवा मतदाता, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएं सहित विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासी मतदाताओं ने भी मतदान किया। बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र मिशन स्कूल स्थित आदर्श मतदान केन्द्र में 85 वर्षीय वरिष्ठ मतदाता श्रीमती सुदेश भाटिया ने मतदान कर एक आदर्श मतदाता होने का परिचय दिया।

78 वर्षीय श्रीमती सुधा चंदेल, नूतन चौक स्थित शासकीय कन्या शाला, सरकण्डा मतदान केन्द्र क्रमांक 12 में 85 वर्षीय श्रीमती रामबाई सहित अन्य वरिष्ठजनों ने मतदान कर जागरूक नागरिक होने का दायित्व निभाया। कोटा विधानसभा के ग्राम करका, कुरदर और डिंडोल सहित अन्य गांवो के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा आदिवासी मतदाताओं ने मतदान कर लोकतंत्र के निर्माण में अपना योगदान दिया। बिलासपुर विधानसभा के आदर्श संगवारी मतदान केंद्र (मतदान केंद्र क्रमांक 12) में युवा भूमिका सिंह और स्नेहा सिंह ने आज पहली बार मतदान किया। तिलक नगर स्थित सेजेस स्कूल मतदान क्र. 54 में सुश्री भूमि सिंह बघेल ने भी पहली बार वोट किया। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कर आज वे बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से समय निकालकर अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की। दिव्यांग मतदाताओं ने भी मतदान में बढ़-चढ़कर मतदान किया। उन्होंने बताया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी सहभागिता दर्ज कर आज वे बेहद खुश हैं।

वैशालीनगर भिलाई विधानसभा शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव सम्पन्न

भिलाई नगर। विधान सभा चुनाव 2023 का चुनाव का मतदान शांत पूर्ण माहौल में सम्पन्न होने की सूचना से सभी खुश है । वैशाली नगर विधान सभा में लगभग 65 प्रतिशत मतदान होने की सूचना मिल रही है । जिला प्रशासन ने शांति पूर्ण मतदान करने पूरी तैयारी रखी थी किसी प्रकार विवाद सामने नही आई है । शाम 5 बजे समय सीमा समाप्त होने के बाद भी महिलाए लाइन में लगी रही निर्वाचन अधिकारी अनुमति से सुपेला एवम कैम्प क्षेत्र में मतदान करने निर्धारित समय से अधिक समय तक कही कहि 1 घंटे से अधिक समय तक मतदान करने की जाने की जानकारी मिली है ।

वैशाली नगर विधान सभा मे कांग्रेस के उम्मीदवार मुकेश चन्द्राकर भाजपा के प्रत्यासी रिकेश सेन ने सुबह अपने परिवार के साथ मतदान किया। वैशाली नगर विधान सभा से 2018 के चुनाव में भाजपा के विधायक स्व विद्या रत्न भसीन विधायक चुने गए थे उन्होंने कांग्रेस के बीड़ी कुरैशी

को लगभग 18000 मतों से हराया था । वैशाली नगर विधान सभा कांग्रेस के लिए एक चैलेंज है क्योंकि पिछले 15 सालों से इस विधान सभा क्षेत्र से भाजपा ने जीत दर्ज किया है । कांग्रेस के लिए एक संघर्ष की सीट है जिसे कांग्रेस के कार्य कर्ताओ ने जीत दिलाने कड़ी महेनत किया है ।

दैनिक दैनन्दिनी. DNX

SIZE - 20x11 sqft
Digital Outdoor Advertisement
Led sales & Services

Rate Card

Call- 9630054047, 7000646420, 8435751548

Timing: 10am to 10pm.
Screen Size: 6 x 7.6 ft.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Month	3 Months	6 Months 20% off	1 Year 35% Off
20 second / 100 Daily	₹ 20,000/-	₹ 50,000/-	₹ 80,000/-	₹ 130,000/-
30 second / 100 Daily	₹25,000/-	₹ 60,000/-	₹ 98,000/-	₹ 156,000/-
45 second / 100 Daily	₹ 36,000/-	₹ 90,000/-	₹ 144,000/-	₹ 234,000/-
60 second / 100 Daily	₹45,000/-	₹ 120,000/-	₹ 192,000/-	₹ 312,000/-

Poster Ad.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Day	3 Day	1 Week	15 Days
20 second / 150 Daily	₹ 10,000/-	₹ 20,000/-	₹ 35 000/-	60,000/-
30 second / 150 Daily	₹12500/-	₹ 25 000/-	₹45 000/-	75,000/-
45 second / 150 Daily	₹ 17500/-	₹ 35 000/-	₹60000/-	90,000/-

Location:
R.S. TOWER
LAVKUSH FURNITURE
Near by:- OVERBRIGE,
RAIPURA CHOWK, RAIPUR (C.G.)

Contact-
9630054047
7000646420
8435751548

Location (2):
SHAHEED BHAGAT
SINGH CHOWK
G.E.ROAD RAIPUR (C.G.)

State office:
Aashirvad
C-255, Rohinipuram
RAIPUR (C.G.)

अमृत वचन

गरीबों में अच्छा वक्त आने की उम्मीद रहती है, लेकिन अमीरों को सदा बुरा वक्त आने का खौफ रहता है।

संपादकीय

गुरुता में गिरावट

भारतीय जीवन दर्शन में गुरु का इतना बड़ा स्थान रहा है कि विद्यार्थी तब असमंजस की स्थिति में होता है जब गुरु व गोविंद दोनों सामने खड़े होते हैं। वह पशोपेश में होता है कि गुरु व भगवान में से किसे पहले नमन करूं। यानी गुरु का स्थान ईश्वर तुल्य माना गया है। ऐसे में यदि कोई शिक्षक यौन कुंठा से ग्रसित होकर संतान तुल्य छात्राओं को यौन लिप्सा का शिकार बनाता है, तो यह अपराध के अलावा समाज में एक गहरे विश्वास का खंडित होना भी है। कितना विश्वास करते हैं लोग गुरुओं पर। पूजते हैं उन्हें। जींद के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रिंसिपल के उच्छृंखल यौन व्यवहार की खबरों ने हर किसी अभिभावक को विचलित किया। इस मामले के सार्वजनिक विमर्श में आने के बाद कुछ छात्राओं की संदिग्ध स्थितियों में मौत ने इस संकट के विस्तार को दर्शाया है। हालांकि, छात्राओं से अश्लील व्यवहार करने वाले प्रिंसिपल की गिरफ्तारी हो चुकी है और उसे निलंबित किया जा चुका है। लेकिन इस प्रकरण से गुरु-शिष्या के पवित्र रिश्ते को जो आंच आई है, उसकी भरपाई शायद ही हो पाए। यूं तो किसी भी पेशे में ऐसी काली भेड़ें एक-दो ही होती हैं, लेकिन क्या किया जाए एक मछली पूरे तालाब को गंदा भी तो करती है। बहरहाल, इस मामले में नित नये खुलासे हो रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस कुकृत्य में कुछ अन्य शिक्षक व कर्मचारी भी शामिल रहे हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की मांग स्वयं सेवी संगठन कर रहे हैं। उनका कहना है कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य मामले में गहन जांच की मांग करते हैं। दरअसल, इस मामले में विवाद तेज होने के बाद जींद के उपायुक्त द्वारा गठित यौन उत्पीड़न निवारण समिति ने प्रिंसिपल को कई मामलों में दोषी पाया। फिर चार नवंबर को पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जांच के बाद प्रिंसिपल को निलंबित कर दिया गया था।

निस्संदेह, इस मामले में कानून अपना काम कर रहा है, लेकिन इस प्रकरण में होने वाले नये खुलासे परेशान करने वाली तस्वीर पेश करते हैं। पीड़ित छात्राओं ने पहले राष्ट्रीय महिला आयोग को एक पत्र लिखा था। जिसके बाद इस मामले में विभागीय सक्रियता सामने आई। लेकिन सवाल उठता है कि क्यों स्थानीय स्तर पर उनकी शिकायतों को अनसुना किया जाता रहा है। बताया जाता है कि यौन दुर्व्यवहार का यह सिलसिला लंबे समय से चल रहा था। कुछ छात्राओं से इस असामान्य व्यवहार की शिकायत अभिभावकों से करने के बाद उनका स्कूल बंद कर दिया गया था। तो बेटियां कैसे पढ़ेंगी, कैसे आगे बढ़ेंगी? वहीं एनजीओ से जुड़े कुछ कार्यकर्ता आरोप लगा रहे हैं कि इस प्रकरण में परिस्थितिजन्य साक्ष्य खासे आपत्तिजनक हैं। आरोप है कि स्टाफ के कुछ अन्य सदस्य इस कुत्सित खेल में शामिल रहे हैं। वे इस मामले में कानूनी जांच के दायरे में नहीं लाए गए हैं। यह भी तथ्य सामने आया था कि प्रिंसिपल के कमरे की खिड़कियों में काले रंग की फिल्म लगायी गई थी। वहीं सीसीटीवी कैमरे के दायरे में उसकी कुर्सी को कवर नहीं किया गया था। इसके अलावा उसके अपने कमरे में सीसीटीवी एक्सेस कंट्रोल सिस्टम स्थापित किया गया था। सवाल उठाये जा रहे हैं कि शिक्षा विभाग की लापरवाही से निर्दोष लड़कियों को यौन दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ा है। आरोप है कि अभियुक्त की पिछली तैनाती के दौरान भी दुष्कर्म के आरोप लगे थे। उसके बावजूद विभाग ने उसकी कारगुजारियों पर नजर नहीं रखी। बल्कि निरंकुश व्यवहार का मौका दे दिया। सवाल स्कूल के अन्य शिक्षकों व कर्मचारियों पर भी उठा है कि इस घटनाक्रम के बावजूद वे मूक दर्शक बने रहे? विभाग ने तब भी सजगता नहीं दिखायी जब प्रिंसिपल कुछ अन्य शिक्षकों के साथ पचास छात्राओं को दूसरे शहर घुमाने ले गया था। बताते हैं कि इस बाबत छात्राओं पर कुछ न बोलने का दबाव भी डाला गया। सामाजिक संगठन इस मामले में गहन जांच की मांग कर रहे हैं।

भारत के लिए जिनपिंग-बाइडेन भेंट के मायने अहम

- गुरजीत सिंह

भारत-अमेरिका के बीच पांचवीं 2+2 बैठक पिछले हफ्ते हो चुकी है। अब ध्यान अमेरिका के सैन फ्रैंसिस्को में होने वाली एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर वार्ता के दौरान जिनपिंग-बाइडेन के बीच अलग से भेंट पर टिक गया है।

चूंकि भारत-अमेरिका संबंधों का असर द्विपक्षीय संदर्भों से परे वैश्विक स्तर पर है, इसलिए जिनपिंग-बाइडेन भेंट के नतीजों पर भारत की काफी रुचि रहेगी। '2+2 बैठक' के स्वरूप को मिली द्विपक्षीय सफलता के चलते, भारत और अमेरिका अपनी साझेदारी को निरंतर विस्तारित कर रहे हैं। इसका सबूत है 2+2 वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान, जिसमें भारत की ओर से विदेशमंत्री एस. जयशंकर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तो अमेरिकी विदेशमंत्री एंथनी ब्लिंकन और रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन उपस्थित थे। यह भेंट वार्ताएं समय-समय पर होती आई हैं और इन्होंने अपनी जगह बना ली है।

फिलहाल वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 'हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचा' विषय पर चर्चा के लिए अमेरिका गए हुए हैं, जिस पर काम तेजी से चल रहा है। इसलिए, भारत के तीन वरिष्ठ मंत्री इस वक्त अमेरिका से सीधा संवाद में हैं, उम्मीद है चीन से पुन: रिश्ते सुधारते वक्त अमेरिका भारत के हितों को ध्यान में रखेगा। जिनपिंग-बाइडेन भेंटवार्ता नई दिल्ली में सितम्बर माह में संपन्न हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में नहीं हो पाई थी क्योंकि चीनी राष्ट्रपति ने अनुपस्थित रहना चुना था। चीनी-अमेरिकी राष्ट्रपतियों की आखिरी भेंट नवम्बर, 2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी-20 की बैठक में हुई थी। उसके बाद एक साल बीत गया और इस दौरान दुनिया में बहुत कुछ घटा, यूक्रेन युद्ध के अलावा अब पश्चिम एशिया में संकट उभर आया है।

चीन और अमेरिका एक-दूसरे का आकलन बहुत गहनता से कर रहे हैं और पुन: बातचीत से पहले उन पैमानों और शर्तों पर विचार कर रहे हैं, जो उनके हितों के माफिक बैठते हों। मुख्य बात यह है कि आगामी बैठक में ये किस हद तक फलीभूत हो पाएंगे। भारत भी, बड़े मुद्दे जैसे कि पर्यावरण बदलाव, अक्षय ऊर्जा, कोविड उपरांत आर्थिकी की पुनर्स्थापना, नौवहनीय सुरक्षा और सतत विकास ध्येय इत्यादि पर सहयोग बनाना चाहेगा। यह साफ नहीं है कि अमेरिका-चीन में किसका नज़रिया ज्यादा भारी रहेगा, क्योंकि इन मुद्दों पर चीन ने अपनी ओर से अलग लाइन अपना रखी है और उसे इन विषयों में अमेरिका का दबदबा स्वीकार्य नहीं है। चीन के साथ अपने विवादों के चलते, भारत अमेरिका का साझेदार बनने का इच्छुक है। बृहद वैश्विक मुद्दों पर, जनहित की खातिर, अवश्य ही अर्थपूर्ण साझेदारी बनकर उभरने की संभावना है।

फिर प्रतिद्वंद्विता वाला अवयव भी है। अमेरिका और यूरोपियन यूनियन को यकीन है कि चीन अपनी हैसियत से कहीं बड़ा होता जा रहा है, और वे उसकी आर्थिकी एवं तकनीकी तरक्की को नाथकर, विश्व व्यवस्था में अपने प्रतिद्वंद्वी की उभरने की संभावना घटाना चाहते हैं। साथ ही, वे चीन को लोकतंत्र, मानवाधिकार जैसे मुद्दे पर घेरकर चुनौती देना चाहते हैं। चीन भी अमेरिका को जमकर चुनौती दे रहा है और विश्व व्यवस्था को लेकर अपना नज़रिया आगे बढ़ा रहा है। तरक्की का उसका अपना रास्ता है और अपनी अलहदा राजनीतिक प्रणाली भी। भारत को भी उससे दरपेश चुनौतियों की ताव सहनी पड़ रही है इसलिए अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ निकटता बनाकर चलना चाहता है। जिस ढंग से

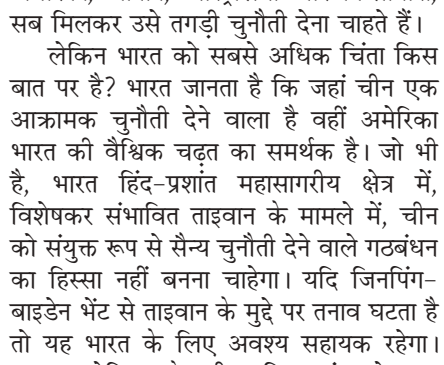

क्वाड ने पिछले दो सालों से अधिक अवधि में अपनी जगह मजबूत की है, उससे वह चीन के तौर-तरीकों को अपनी चुनौती पेश कर रहा है। क्वाड का नज़रिया वर्तमान में हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में गैर-सैन्य साझेदारी का विकल्प बनाना है।

एक अवयव यह भी है कि कई बार ऐसा होता है कि परस्पर चुनौतियां दीर्घकालीन टकराव में तब्दील हो जाती हैं। भारत ने यह लद्दाख में होते देखा है। फिलहाल दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भी यही कुछ हो रहा है और सेंककाकू टापुओं पर अधिकार को लेकर जापान का चीन से विवाद चल रहा है। अगर चीन ताइवान को कब्जाने की कोशिश करेगा तो अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस, सब मिलकर उसे तगड़ी चुनौती देना चाहते हैं।

लेकिन भारत को सबसे अधिक चिंता किस बात पर है? भारत जानता है कि जहां चीन एक आक्रामक चुनौती देने वाला है वहीं अमेरिका भारत की वैश्विक चढ़त का समर्थक है। जो भी है, भारत हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में, विशेषकर संभावित ताइवान के मामले में, चीन को संयुक्त रूप से सैन्य चुनौती देने वाले गठबंधन का हिस्सा नहीं बनना चाहेगा। यदि जिनपिंग-बाइडेन भेंट से ताइवान के मुद्दे पर तनाव घटता है तो यह भारत के लिए अवश्य सहायक रहेगा। भारत-अमेरिका के बीच जिस ढंग से रक्षा साझेदारी बढ़ रही है उससे अमेरिका की अपेक्षा बढ़ी है कि हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में भारत ज्यादा मुखर होकर भूमिका निभाए। यह उम्मीदें भारत द्वारा प्राकृतिक आपदाओं के समय मानवीय आधार पर किए सहायता अभियानों से परे जाकर कुछ करने की हैं। गठबंधन मुल्क हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त और सबका बनाए रखने के लिए सहयोगियों से साथ की आस रखते हैं और जरूरत पड़ने पर चीन को सीधी चुनौती देने में भी। यह वह संदर्भ है, जिसको लेकर भारत देखना चाहेगा कि जिनपिंग-बाइडेन भेंट में क्या होता है। भारत चीन के साथ सैन्य टकराव में नहीं पड़ना चाहेगा और ठीक इसी वक्त उन नए बनने वाले क्षेत्रीय प्रबंधों से भी बाहर नहीं रहना चाहेगा, जिन पर अमेरिका-चीन के बीच सहमति बन सकती है। चीन का नज़रिया इस बारे में स्पष्ट है कि अमेरिका ताइवान का मुद्दा न उठाए। इसके अलावा, वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बनी गुटबंदियां जैसे कि क्वाड या ऑकस को अमेरिकी समर्थन का विरोध करता है, जो कि उसे नागवार हैं। चीन अपने विकास मॉडल को दी जाने वाली चुनौतियों का भी विरोध करता है, इसमें 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' परियोजना भी शामिल है। और वह अमेरिका से चाहता है कि वह चीन का मुकाबला करने को बनाई गई 'चाईना प्लस वन' नामक आर्थिक एवं तकनीकी नीतियों को शह देना बंद करे।

इसलिए, जब तक अमेरिका और चीन आपसी समझ बनाकर दुनिया की भलाई के लिए साझेदारी बनाते रहेंगे, भारत को इनसे लाभ मिल सकता है। जहां तक प्रतिद्वंद्विता की बात है, भारत नहीं चाहेगा कि जोखिम कम करने की एवज में आर्थिक और तकनीकी प्रगति दर को धीमा किया जाए। 'चाईना प्लस वन' नामक नीति को निरंतर प्रोत्साहन देने की जरूरत है ताकि भारत में और अधिक निवेश आ सके। यदि अमेरिका चीन के साथ उच्च तकनीक पर सहयोग करने पर लगाए प्रतिबंध उठा लेता है, तो इससे चीन में फिर से उन कुछ निवेशकों के पहुंचने की संभावना बनेगी, जो वर्ना भारत का रुख करते।

यूक्रेन युद्ध के बाद बनी भारत की स्थिति में पुनर्निधारण, इस्राइल में बने हालात और अफ्रीका में शांति वार्ता पुन: बनाने में अनुरूपता दिख रही है। इन मुद्दों पर चीन की भूमिका एकदम विपरीत है क्योंकि वह यूक्रेन मामले में रूस का समर्थन कर रहा है तो पश्चिम एशिया में अरबी मुल्क और ईरान के साथ खड़ा है और वहीं अफ्रीका के संबंध में वैकल्पिक वार्ताओं का हामी है। इन कुछ मामलों में भारत अमेरिका का सहयोगी बन सकता है, लेकिन ऐसा करते वक्त इन क्षेत्रों में अपने हितों का ध्यान रखना आवश्यक है। भारत चीन से जुड़े मामलों के अलावा अन्य मुद्दों पर भी अमेरिका से सहयोग बेहतर बनाने को बातचीत जारी रखना चाहेगा।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

daily समाचार.com
daily समाचार.com
डेली samachaar.com
डेली samachaar.com

उपचार के साथ जीवनशैली बदलने की भी जरूरत

- ज्ञानेन्द्र रावत

दुनिया में मानसिक रोगों से पीड़ित लोगों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। विश्व के 64 देशों के तकरीबन चार लाख लोगों पर किया गया अध्ययन इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि दुनिया के एक-तिहाई से ज्यादा लोग मानसिक स्वास्थ्य की परेशानियों से ग्रस्त हैं। यह भी कि कोविड महामारी के बाद से लोगों की सेहत के स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ। वहीं मानसिक समस्याओं से जूझ रहा हर तीसरा व्यक्ति अवसाद और एंग्जाइटी का शिकार है। आत्महत्या का विचार पनपने के पीछे भी यही अहम कारण है। वर्ष 2021 के दौरान अकेले भारत में 1,64,033 आत्महत्याएं हुईं। इस साल इन घटनाओं में वर्ष 2020 की तुलना में 7.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसके मुताबिक प्रतिदिन देश में 450 आत्महत्याएं हुईं।

दि मेंटल स्टेट आफ द वर्ल्ड रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि लाख कोशिशों के बावजूद आज भी मानसिक स्वास्थ्य मजबूत करने की दिशा में विफलता इस रोग की बढ़ोतरी का अहम कारण है। उस हालत में, जब देश में 9,800 से ज्यादा मनोचिकित्सक और तकरीबन 3,400 क्लिनिकल साइकलोजिस्ट मौजूद हैं। हालांकि 10 साल पहले के मुकाबले कहीं अधिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की बहुत कमी है। वहीं देश में कुल बीमारियों में मानसिक विकारों का योगदान दोगुणा से भी ज्यादा है। इसमें 1990 के दशक से दोगुने से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गयी।

देश में कुल आबादी के 14 फीसदी से ज्यादा लोग मानसिक रोगों के शिकार हैं जिसमें 29-40 आयु वर्ग के लोग बहुतायत में हैं। इस बारे में यदि मानसिक समस्याओं से पीड़ित लोगों को निशुल्क परामर्श देने वाले सायरस एंड प्रिया वांड्रेवाला फाउंडेशन की मानें तो मानसिक समस्याओं को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। करीब 53 फीसदी महिलाएं और 42 फीसदी से ज्यादा पुरुष व्हाट्स एप चैट के माध्यम से अपनी समस्याएं साझा कर रहे हैं। फाउंडेशन की प्रमुख प्रिया हीरानंदानी का कहना है कि एक-तिहाई लोग एंग्जाइटी, अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति से जूझ रहे हैं।

यदि मानसिक समस्या के चलते आत्महत्या करने वालों का जायजा लें तो दुनिया भर में आत्महत्या के मामले बढ़ना बेहद चिंतनीय है। हर 40 सैकेंड में कोई एक व्यक्ति आत्महत्या कर रहा है। बीते साल विश्व में 8 लाख लोगों ने आत्महत्या की जिनमें 1.64 लाख से ज्यादा लोग भारत के थे। गौरतलब है कि जीवन का अंत करने से किसी समस्या का समाधान नहीं होता बल्कि आत्महत्या करने से प्रभावित पूरा परिवार आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक समस्याओं में फंस जाता है। एक आत्महत्या करीब 135 लोगों को प्रभावित करती है। इनमें आत्महत्या करने वाला परिवार, नजदीकी रिश्तेदार व मित्र शामिल होते हैं। यह आवेश में लिया गया कदम है। यदि आप आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के दिमाग को दूसरी दिशा में मोड़ सकते हैं तो आप उसकी जान बचा सकते हैं। इहबास संस्थान के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. ओम प्रकाश कहते हैं कि उनके पास ज्यादातर मूड खराब, अवसाद, घबराहट, नींद न आने, तनाव आदि समस्याओं के रोगी आते हैं। उनके मुताबिक, वे आत्महत्या के मिथक और बचाव को लेकर हेल्पलाइन टेली मानस के जरिये लोगों को जागरूक कर रहे हैं। दिल्ली में हर रोज 50-60 कॉल हेल्पलाइन पर लोग करते हैं।

मौजूदा भागमभाग की जिंदगी भी मानसिक रोगों की अहम वजह है। इससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लोग इसके बावजूद मनोचिकित्सक के पास जाना नहीं चाहते। इसमें मानसिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी भी एक बड़ी वजह है। इस संदर्भ में मेंटल हेल्थ फाउंडेशन इंडिया और एम्स के डाक्टरों ने मिलकर एक वेब पोर्टल तैयार किया है। इसके माध्यम से लोग खुद अपने मानसिक स्वास्थ्य का ऑनलाइन परीक्षण कर सकते हैं। इस बारे में एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के डॉ. नंद कुमार कहते हैं कि यह पहल मानसिक बीमारियों से बचाव और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रखने में मददगार है। वहीं हर मानसिक परेशानी के इलाज के लिए दवा की जरूरत नहीं। बगैर दवा के भी योग, जीवनशैली बदलने से भी मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सकता है। यदि पोर्टल पर परामर्श के बाद मानसिक परेशानी दूर नहीं होती तो चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

जहां तक अवसाद का सवाल है, आज कोई भी व्यक्ति पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। अवसाद या डिप्रेशन के दौरान इंसान के शरीर में खुशी देने वाले हार्मोन का बनना कम या बंद हो जाता है। इसकी वजह से आप चाहकर भी खुश नहीं हो सकते। आगरा स्थित प्रख्यात मनोचिकित्सक डॉ. केसी गुरनानी का मानना है कि जिस तरह शरीर में अंदरूनी दोष के चलते बीमारियां होती हैं, उसी तरह दिमाग की कार्यप्रणाली प्रभावित होने पर तनाव व अवसाद होता है। दिमाग में तरह-तरह के विचार आते हैं जिनका असर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर पड़ता है। सेरेटोनिन, डोपामाइन आदि कई तरह के हारमोन प्रभावित होने लगते हैं।

अवसाद की समस्या अब व्यक्ति विशेष या देश की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की है। मोबाइल ने इसमें और इजाफा किया है। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य को अपने जीवनशैली का हिस्सा बनाना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य की बेहतर समझ ही इस समस्या का हल है। वहीं इलाज के अलावा पीड़ितों के दुख-दर्द में सहयोग और साथ देने का विश्वास दिलाने की बेहद जरूरत है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। कारोबार कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा रहेगा। यदि आपने कोई जिम्मेदारी ली थी तो आप उसे समय से पूरा करेंगे जिससे आपके माता-पिता को खुशी होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से उत्तम रहने वाला है। आपके अंदर प्रतिस्पर्धा का भाव बना रहेगा। यदि आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की तैयारी कर रहे थे तो उसे कुछ समय के लिए स्थगित कर दें ।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपका कोई पुराना मित्र आपके घर दावत पर आ सकता है। आपके लिए नौकरी का ऑफर आ सकता है लेकिन उन्हे अभी कुछ समय रुकना बेहतर रहेगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए साझेदारी में किसी काम को करने के लिए अच्छा रहेगा। किसी काम को लेकर यदि आप परेशान चल रहे थे तो आपकी वह इच्छा पूरी होगी। आपके विभिन्न प्रयास सफल रहेंगे और जोखिम भरे काम को आपको कल पर टालना होगा। आपको अपने करीबीयो का पूरा साथ मिलेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मेहनत से कार्य करने के लिए रहेगा। आप अपनी मेहनत के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी पूरा ध्यान दें, नहीं तो समस्या हो सकती है। आप जिस भी कार्य को करेंगे,उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। करियर में आपको कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है लेकिन आप उसे बहुत ही सोच विचार कर करना होगा, तभी आपका कोई बड़ा लक्ष्य पूरा होगा। कार्य क्षेत्र में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। जिससे आपको प्रमोशन भी मिल सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए ऊर्जावान रहने वाला है। आप कामकाज के मामलों में सतर्क रहेंगे। किसी की सीख व सलाह पर चलना आपको नुकसान देगा लेकिन आप किसी बात को लेकर जिद व अहंकार ना दिखाएं नहीं तो समस्या हो सकती है। घर में सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। भाई बंधुओ से यदि अनबन चल रही थी, तो आप किसी मनोरंजन की यात्रा पर जा सकते हैं। आपको किसी महत्वपूर्ण मामले में वरिष्ठ सदस्यों से सलाह मशवरे का कोई निर्णय लेना बेहतर रहेगा।

धनु- आज आपके चारों ओर का वातावरण सुखद रहेगा। आप संतान को संस्कारों व परंपराओं पर जोर देंगे। आपके मान सम्मान में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके घर किसी अतिथि का आगमन हो सकता है जिससे परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए अच्छा रहेगा। व्यापार में आप अपने अच्छे व्यवहार के कारण अच्छा धन कमाने में कामयाब रहेंगे। आधुनिक विषयों में आपकी पूरी रुचि रहेगी और कुछ धर्म कर्म के कार्या मे आप शामिल कर सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको कुछ अत्यधिक तले भुने भोजन से परहेज रखना होगा। आपको जल्दी बाजी में किसी काम को करने से बचाना होगा नहीं तो समस्या होगी। वह आपके कुछ बनते कामों को बिगड़ने की पूरी कोशिश करेंगे।

मीन- आज का दिन व्यापार कर रहे लोगों के लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको अपनी कुछ योजनाओं से अच्छा लाभ मिलेगा जो आपकी खुशी का कारण बनेगा।

सेहत

बेसन, सूजी और मैदा को कीड़े लगने से बचाएं

कई बार बेसन, सूजी और मैदा को ठीक तरीके से स्टोर नहीं करने पर इसमें कीड़े लग जाते हैं. ऐसे में आपको इन्हें बड़ी सावधानी से स्टोर करने की जरूरत होती है. आप कुछ घरेलू उपाय से बेसन, सूजी और मैदा को खराब होने और कीड़े लगने से बचा सकते हैं.

1- फ्रिज या फ्रीजर में रखें- बेसन, सूजी और मैदा को खराब होने से बचाने के लिए आप इन्हें फ्रिज या फ्रीजर में स्टोर कर सकते हैं. आप किसी एयर टाइट कंटेनर में इन चीजों को भरकर रख दें.

इससे कभी कीड़े नहीं लगेंगे. फ्रिज में लंबे समय तक इन्हें स्टोर किया जा सकता है. आप चाहें तो फ्रीजर में भी रख सकते हैं.

2- पुदीना की पत्तियां रखें- बेसन, सूजी या मैदा को स्टोर करते वक्त डब्बे में कुछ पुदीने की पत्तियां रख दें, इससे कीड़े लगने की दिक्कत नहीं होगी. ध्यान रखें पुदीने की पत्तियों को सुखाकर ही डब्बे में रखें.

3- तेजपत्ता रखें- तेजपत्ता की खुशबू से कीड़े नहीं लगते हैं आप बेसन, सूजी और मैदा में भी तेजपत्ता डालकर रख सकते हैं. जिस डब्बे में आप स्टोर कर रहे हैं उसमें 3-4 तेजपत्ता डाल दें. इससे कभी कीड़े नहीं लगेंगे.

4- नीम की पत्ते रखें- सूजी, बेसन और मैदा में कीड़े लगने से बचाने के लिए आप इसमें नीम की पत्तियां डाल दें. नीम की पत्तियों को डालने से पहले उन्हें सुखा लें उसके बाद ही किसी एयर टाइट कंटेनर में इन्हें डालकर रखें.

5- हल्का सा भून कर रखें- बेसन, सूजी और मैदा में कीड़े लगने से बचाने के लिए आप इन्हें थोड़ा रोस्ट करके स्टोर कर लें. आप सूजी को और बेसन को इस तरह स्टोर कर सकते हैं. लेकिन ध्यान रखें मैदा को आपको भूनना नहीं है. इस तरह बेसन और सूजी लंबे समय तक चलेंगे.

बांटने का सुख

एक बार संत ईसा अपने शिष्यों के साथ धर्म प्रचार यात्रा पर निकले थे। सफर से लौटते-लौटते रात हो गई। निर्जन इलाके में भोजन की भी व्यवस्था नहीं थी। सभी चिंतित हो गये कि रात भूख से कैसे कटेगी। ईसा ने सब शिष्यों से कहा जिसके पास जो भी खाने की वस्तु बची है, उसे एक जगह एकत्र कर लो। उसी से मिल-बांटकर काम चलाया जायेगा। सभी शिष्यों ने अपने बचे खाने को एक जगह एकत्र किया। कुल मिलाकर पांच रोटियां एकत्र हो पायी। रोटियां मिल-बांट के खाई गई। प्रत्येक के हिस्से में आधी-आधी रोटी आई। सबकी तृप्ति भी हो गई। आश्चर्य से शिष्यों ने कहा, 'हे प्रभु। यह चमत्कार कैसे हुआ कि आधी रोटी में हमारी तृप्ति हो गई।' शिष्यों की जिज्ञासा शांत करते हुए ईसा ने कहा, 'दरअसल, यह मिल-बांट कर खाने का प्रतिफल है जो अकेले किसी वस्तु के सेवन करने से नहीं मिल सकता। भूख का संबंध हमारी सोच से है और सामूहिकता का भाव भोजन की तृप्ति बढ़ा देती है।'

प्रस्तुति : मधुसूदन शर्मा

हरकतों से पहचानें क्या कहना चाहते हैं बच्चे

पैरेंट्स अपने बच्चे के एक्टिविटी सिग्नल को आसानी से पहचान लेते हैं। हरकत देखकर ही वो बेबी की जरूरत समझ जाते हैं। यह भी सच है कि समझ बनने में काफी वक्त लगता है। नए पैरेंट्स के लिए सबसे मुश्किल समय शायद वही होता है जब वे अपने छोटे बेबी की जरूरतों और चाहतों को समझने की कोशिश कर रहे होते हैं। बच्चों की एक्टीविटीज को ऐसे डिकोड किया जा सकता है।

❑ कभी कभी बेबी के फेशियल एक्सप्रेशंस वियर्ड हो जाने पर समझ नहीं आता है कि वे चाहते क्या हैं। वे आपसे नजरें मिलाने के बजाए अगर अपना चेहरा घुमा लेते हैं या रोना शुरू कर देते हैं तो जानने की कोशिश करें कि वे क्या चाहते हैं। उन्हें अपने करीब लाकर उन्हें सुरक्षा का एहसास करायें।

❑ पहले छह और आठ महीने में किड्स स्माइल करना शुरु कर देते हैं। ये सिग्नल उनके शारीरिक जरुरतों की तरफ इशारा करता है। उन्हें अफेक्शन और प्यार की जरुरत होती है। आप उन्हें अच्छा फील करायें।

❑ तीन से चार महीने के अधिकतर किड्स नकल करना शुरु कर देते हैं। और वैसे ही फेशियल एक्सप्रेशन भी देना शुरु कर देते हैं। अगर पैरेंट्स डिप्रेस्ड हैं तो वे भी दुखी हो जाते हैं। ऐसे में उनके गालों को अपने गालों से चिपका कर उन्हें प्यार का एहसास करायें। जब उनका पेट भरा होता है और वे पूरी तरह से संतुष्ट होते हैं तो वे हाथों को खुला कर लेते हैं और उन्हें फैला लेते हैं। इसका मतलब ये होता है कि उन्हें फीडींग की जरुरत नहीं है।

❑ जब किड्स का बैक पेन होता है तो वे बेड पर पड़े पड़े अपनी पोजीशन चेंज करना चाहते हैं। वे काफी परेशान से हो जाते हैं और रोना शुरू कर देते हैं। ऐसे में बॉडी पोजिशन चेंज करने में उनकी मदद करनी चाहिए। उन्हें बेबी कैरियर पर बिठायें और उन्हें आराम महसूस कराएं।

❑ जब किड्स अपने आंखों और अपने कानों को रगडना शुरु कर दें तो समझना चाहिए उन्हें झुंझलाहट हो रही है या वे थके हुए हैं। ऐसे में उन्हें चाइल्ड स्पेशलिस्ट से दिखायें या फिर उन्हें सुलाने की कोशिश करें।

❑ बच्चों के रोने की कई वजहें हो सकती हैं। सबसे पहला कारण या तो वे भूखे हैं या फिर वे किसी प्रकार के दर्द से रो रहे होते हैं। ये भी हो सकता है कि वे थक चुके हों। जब वे सोकर उठते हैं और अचानक से रोना शुरू देते हैं तो समझें कि वे भूखे हैं। जब वे कभी भी किसी समय अचानक से रोना शुरु कर दें तो समझें कि वे किसी प्रकार के दर्द से परेशान हैं। जब वे ठीक तरीके से सो नहीं पायें और तुरंत हर एक-दो घंटे में जाग जायें तो समझ जायें कि वे बहुत थके हुए हैं।

आइलैश एक्सटेंशन

किसी जमाने में आंखों के मेकअप के समय पलकों पर नकली बाल लगाए जाते थे, मगर यह कुछ घंटों के लिए ही आंखों को खूबसूरत बनाते थे। अब आंखों की पलकों को स्थाई तौर पर खूबसूरत बनाने के लिए पलकों पर बालों का एक्सटेंशन किया जा रहा है। आइलैश एक्सटेंशन बॉलीवुड के साथ-साथ शहरी युवतियों के बीच भी तेजी से ट्रेंड में आ रहा है।

2017 के ब्यूटी ट्रेंड में आंखों की खूबसूरती पर जोर दिया जा रहा है। इस पर ब्यूटी एक्सपर्ट तरह-तरह के प्रयोग कर रहे हैं। इस समय नई क्रांति के तौर पर इस क्षेत्र में परमानेंट आइलैश एक्सटेंशन आया है। इस पर फिलहाल कुछ एक्सपर्ट ही काम कर रहे हैं।

पलकों को खूबसूरत रूप देने के लिए उन पर बालों की नकली परत को लगाया जाता है। इस परत में अपने चेहरे के अनुसार सूट करते हुए बालों को घना, लंबा, मुड़ा हुआ लगाकर आंखों को नया लुक दिया जा सकता है। इन बालों को पलकों पर स्किन फ्रेंडली ग्लू (गोंद) के माध्यम से चिपका दिया जाता है। यह स्थाई एक्सटेंशन होता है। इससे हर रोज मेकअप के साथ नकली आइलैश लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। ब्यूटी एक्सपर्ट प्रिया कालरा के मुताबिक सौंदर्य के क्षेत्र में यह एक नई क्रांति है। इस प्रक्रिया से पहले त्वचा के प्रकार को जांचा जाता है व फिर कंप्यूटर के माध्यम से चेहरों को विभिन्न आकार के लैश को सेट करके देखा जाता है। बाद में सूट करता हुआ लैश फिट किया जाता है।

वैसे तो इस एक्सटेंशन को परमानेंट माना जाता है लेकिन नेल एक्सटेंशन की तरह इसमें भी हर महीने रीफीलिंग की जरूरत पड़ती है। इसमें पलकों पर फिर से आइलैश को सेट किया जाता है। एक्सटेंशन विशेषज्ञ नीलिमा के मुताबिक एक्सटेंशन को बार-बार सुधारने की जरूरत होती है। इसके अलावा इसमें कोई समस्या नहीं होती। इसमें इंसान के बालों का प्रयोग किया जाता है।

किसी जमाने में आंखों के मेकअप के समय पलकों पर नकली बाल लगाए जाते थे, मगर यह कुछ घंटों के लिए ही आंखों को खूबसूरत बनाते थे। अब आंखों की पलकों को स्थाई तौर पर खूबसूरत बनाने के लिए पलकों पर बालों का एक्सटेंशन किया जा रहा है।

आइलैश एक्सटेंशन बॉलीवुड के साथ-साथ शहरी युवतियों के बीच भी तेजी से ट्रेंड में आ रहा है। 2017 के ब्यूटी ट्रेंड में आंखों की खूबसूरती पर जोर दिया जा रहा है। इस पर ब्यूटी एक्सपर्ट तरह-तरह के प्रयोग कर रहे हैं।

पायल पहनने के हैं सेहत से जुड़े ढेरों फायदे

भारतीय परंपरा में महिलाओं का पायल पहनना अनिवार्य माना जाता है। इसके पीछे बुजुर्ग कुछ आदर-सम्मान और शुभ-अशुभ के कारण गिनाते हैं। लेकिन पायल शुभ-अशुभ परिणाम देने के अलावा भी कुछ स्वास्थ्य संबंधी लाभदायक परिणाम भी देती है, जो महिलाओं को स्वस्थ रखने का काम करती हैं। इन परिणामों के बारे में इस लेख में विस्तार से चर्चा करते हैं।

*** पैरों की सुंदरता बढ़ाए**

इसमें कोई संदेह नहीं कि पायल पैरों की सुंदरता में चार चांद लगा देती है। आज भी महिलाओं के पायल की छनछन पुरुषों को अपनी ओर आकर्षित करने का अचूक उपाय है। इस कारण ही पायल को महिलाओं के सोलह श्रृंगार में शामिल किया गया है।

*** पुरुषों को करती थी सतर्क**

पुराने जमाने में घर की हर महिला को पायल पहनाई जाती थी। ऐसा इसलिए कि उनके पायल की आवाज से पहले ही घर के पुरुषों को पता चल जाता था कि घर की कोई महिला आ रही है और वो व्यवस्थित हो जाते थे। जिससे पायल की आवाज महिला और पुरुष दोनों को किसी भी असहज होने वाली स्थिति से बचा लेती थी। इस कारण पुराने जमाने में घर में महिलाओं का पायल पहनना अनिवार्य माना जाता था।

*** स्वास्थ्य लाभ**

परंपराओं को निभाने के अलावा पायल महिलाओं को कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी देती है। लेकिन ये स्वास्थ्य लाभ सोने या चांदी से बनी पायल से ही प्राप्त होती हैं। दरअसल पायल हमेशा पैरों से रगड़ती है। जिसके कारण पायल के धातु के तत्व त्वचा से रगड़ खाकर शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं और हड्डियों को सोने-चांदी जैसी मजबूती देते हैं। इसी वजह से माना जाता है कि पायल पहनने से हड्डियां मजबूत बनती हैं। आयुर्वेद में भी कई दवाओं में इन धातुओं के भस्म का उपयोग किया जाता है। धातुओं की भस्म से जिस तरह के स्वास्थ्यवर्द्धक फायदे होते हैं वैसे ही स्वास्थ्य फायदे पैरों में पायल पहनने से होते हैं।

*** शरीर का तापमान बैलेंस रखें**

लेकिन पैरों में सोने की पायल पहनने की मनाही है। इसके पीछे लोग सोने के पूज्यनीय होने का कारण देते हैं। जबकि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी हैं। सोने की तासीर गर्म होती है जबकि चांदी की तासीर ठंडी होती है। आयुर्वेद के अनुसार मनुष्य का सिर ठंडा और पैर गर्म होने चाहिए। इसी कारण सिर पर सोना और पैरों में चांदी पहनी जाती है। इससे सिर से उत्पन्न गर्म ऊर्जा पैरों में और पैरों से पैदा हुई ठंडी ऊर्जा सिर में चली जाती है जिससे पूरे शरीर का तापमान संतुलित रहता है। लेकिन अगर महिलाएं पैरों में भी सोने की पायल पहनने लगे तो पैर और शरीर दोनों में एक ही तरह की ऊर्जा प्रवाहित होने लगेगी जिससे महिलाएं रोगग्रस्त हो सकती हैं।

*** कम करता है नकरात्मक शक्तियों का प्रभाव**

वास्तुशास्त्र के अनुसार पायल की आवाज से घर की नकरात्मक शक्तियां कम हो जाती हैं और दैवीय शक्तियां अधिक सक्रिय हो जाती हैं।

नारियल पानी लाएं चेहरा पर निखार

नारियल पानी से चेहरा धोने से चेहरे की नमी बनी रहती है, और त्वचा से जुड़ी समस्याओं के होने का खतरा भी कम हो जाता है। आइए नारियल पानी से चेहरा धोने के फायदों के बारे में जानें।

❑ नारियल पानी से चेहरा धोने के फायदे

लगातार बढ़ती गर्मी का सबसे ज्यादा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है, इसलिए बदलते मौसम के साथ अपनी त्वचा का खास ख्याल रखना जरूरी होती है, वर्ना त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है। इस मौसम में चेहरे की ताजगी बरकरार रखने के लिए त्वचा विशेषज्ञ ठंडे पानी से चेहरा धोने की सलाह देते हैं। दिन में 3-4 बार चेहरा धोने से ताजगी के साथ-साथ त्वचा की नमी भी नहीं खोती। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गर्मियों में नारियल पानी से चेहरा धोना नार्मल ठंडे पानी की तुलना में कहीं अधिक फायदेमंद होता है। नारियल पानी से चेहरा धोने से जहां एक ओर चेहरे की नमी बनी रहती है, वहीं दूसरी तरफ त्वचा से जुड़ी समस्याओं के होने का खतरा भी कम हो जाता है। इसके अलावा नारियल में पानी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल तत्व त्वचा को विभिन्न प्रकार से इंफेक्शन से सुरक्षा देने में मददगार होता है।

❑ डार्क सर्कल में उपयोगी

डार्क सर्कल के कारण चेहरे की खूबसूरती कम होने लगती है। अगर आप भी डार्क सर्कल से परेशान हैं तो नारियल पानी इस समस्या को बहुत ही आसानी से दूर कर सकता है। समस्या होने पर कॉटन को नारियल पानी में डुबोकर आंखों के आस-पास लगाये। रोजाना ऐसा करने से कुछ ही दिनों में आपके डार्क सर्कल धीरे-धीरे दूर हो जाएंगे।

❑ कील-मुंहासे दूर करें

गर्मियों में ऑयली स्किन वालों को खासतौर पर कील-मुंहासों की शिकायत रहती है। ऐसे में नारियल पानी का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके चेहरे पर मुंहासे हो गये हैं तो नारियल पानी से चेहरा साफ करें। इससे आपको कील-मुंहासों की समस्या से निजात मिलेगी।

❑ टैनिंग में लाभकारी

गर्मियों में अधिकतर लोगों को टैनिंग की समस्या से जूझना पड़ता है। अगर आप भी टैनिंग की समस्या से बचना और झुलसी हुई त्वचा को निखारने और हमेशा तरोताजा बनाये रखना चाहते हैं तो नारियल के पानी से चेहरे को साफ करें।

यदि आप रोजाना अपना चेहरा नारियल पानी से नहीं धो सकते हैं तो कॉटन की मदद से नारियल के पानी से अपना चेहरा साफ करें।

नारियल के पानी से चेहरे के दाग-धब्बे और झांइयों के लिए बहुत उपयोगी होता है। अगर आपको दाग-धब्बे और झांइयों की शिकायत हैं तो नारियल पानी से चेहरा धोना आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी क्योंकि इससे चेहरे के दाग आसानी से दूर हो जाएंगे और आपके चेहरे पर प्राकृतिक चमक भी बनी रहेगी।

लगभग हर कोई निखरी त्वचा की चाहत रखता है। यदि आप तरो-ताजा और निखरी त्वचा के साथ गोरापन भी चाहते हैं, तो नारियल के पानी से अपने चेहरे को साफ करें।

बैंबू फेशियल से निखार

फेशियल चेहरे को स्मूद, चमकदार बनाने और मसल्स को फिट रखने का सबसे असरदार तरीका है। चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने और त्वचा की समस्याओं को दूर करने के लिए आप भी फेशियल करवाते होंगे और आपने कई तरह के फेशियल के बारे में सुना भी होगा। लेकिन क्या आपने बैंबू फेशियल के बारे में सुना है। अगर नहीं सुना है तो आज हम आपको इसके बारे और त्वचा के लिए इसके फायदों के बारे में बताते हैं। बैंबू फेशियल- बांस को संसार के बेहतरीन और बहुमुखी पेड़ का दर्जा दिया गया है। जिसका इस्तेमाल कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए किया जाता था। लेकिन अब बांस का इस्तेमाल ब्यूटी के क्षेत्र में भी किया जाने लगा है। जी हां बैंबू फेशियल के माध्यम से त्वचा को खूबसूरत बनाया जाता है साथ ही बैंबू मसाज से तनाव से भी छुटकारा मिलता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसमें पाए जाने वाले तत्वों से न केवल त्वचा के विकार दूर होते हैं बल्कि इससे मानसिक सुकून भी मिलता है। बैंबू फेशियल से त्वचा पर हल्के गर्म बांस से मालिश की जाती है। इससे त्वचा के टिशू एक्टिव होते हैं। इसके अलावा कोमल बांस को पीसकर इसकी मसाज से त्वचा के साथ-साथ दिल-दिमाग तरोताजा हो जाता है। ब्यूटी एक्सपर्ट शालू के मुताबिक इससे आपको पॉजिटीव एनर्जी मिलती है जिससे आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं और त्वचा की खूबसूरती बढ़ती है।

बाल झड़ना और थायराइड के बीच संबंध

असामान्य रुप से निष्क्रिय और अति सक्रीय थाइराइड से भी बालों के झडने की समस्या शुरु हो सकती है।

हालांकि थाइरोइड रोग की वजह से बालों के झडने की समस्या को उचित उपचार द्वारा ठीक किया जा सकता है। चलिये जाने की थाइराइड और बालों के झडने की समस्या के बीच का संबंध है और इस समस्या से निजात कैसे पायी जा सकती है। बालों के झडने और थायराइड के बीच संबंध*-जैसा कि अधिकांश लोग जानते हैं कि थायराइड के कारण थकान, मस्तिष्क में परेशानी, वजन बढना तथा शरीर का तापमान कम होने जैसी समस्याएं होती हैं, कई लोग नहीं जानते कि थायरोइड के कारण बाल झडने की समस्या भी हो सकती है। तितली के आकार वाली थायरायड ग्रंथि गर्दन में श्वांस नली के ऊपर होती है। यह ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करती है, अर्थात जो हम खाते हैं यह उसे उर्जा में बदलती है। इसके अलावा थायराइड ग्रंथि हृदय, मांसपेशियों, हड्डियों व कोलेस्ट्रॉल को भी प्रभावित करती है।थाइराइड हार्मोस में होनेवाली एक आम गड़बड़ी ही है थायराइड पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक है। इससे महिलाओं को शारीरिक उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरना पड़ता है। थायराइड एक खामोश बीमारी है और इसके शुरुआती लक्षण इतने हल्के होते हैं कि मरीज को पता ही नहीं चल पाता कि शरीर में कुछ गड़बड़ी चल रही है। बालों के झडने की समस्या थायराइड हार्मोन असंतुलित होने की ओर संकेत करता है। बहुत ज्यादा थायराइड हार्मोन बालों को पतला और हल्का बना देता है। हालांकि, बहुत कम थायराइड हार्मोन खोपड़ी और शरीर के बालों के झडने का कारण बनता है। हाइपरथायरौडीज़म और हाइपोथायरौडीज़म, दोनों ही बालों के झडने के कारण बन सकते हैं, और बालों का झडना थायराइड रोग की एक मुख्य पहचान होती है। कुछ विशेषज्ञ बताते हैं कि बालों की झडना थायराइड रोग की एक अति गंभीर पहचान हो सकती है।

नमक हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा

नमक हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है इसके बिना हम भोजन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। परंतु पिछले कुछ वर्षों में नमक सेहत की दुनिया का सबसे बड़ा दुश्मन बताया जाने लगा है। असल में बुराई नमक में नहीं, जंक फूड में उनके अंधाधुंध इस्तेमाल में है।

क्या कहते हैं अध्ययन – सिर्फ आयुर्वेद ही नहीं इन नमक के स्वास्थ लाभ को नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इनफार्मेशन ने भी प्रमाणित किया है। यहां हम आपको उन 5 तरह के नमक के बारे में बता रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप आसानी से कर सकती हैं। और जिन्हें ढूंढने के लिए आपको बहुत मेहनत भी नहीं करनी होगी।

1 सेंधवा या सेंधा नमक को आयुर्वेद में माना गया है सर्वोत्तम नमक

ब्लड प्रेशर नियंत्रित रखता है – हम सब जानते हैं कि ब्लड प्रेशर के मरीजों को नमक कम खाने की सलाह दी जाती है, लेकिन आपको जानकार आश्चर्य होगा कि सेंधा नमक ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। ये अकेला ऐसा नमक है, जो रक्तचाप को नियंत्रित कर हार्ट अटैक के खतरे को कम करता है।

तनाव को कम करता है – आपको तनाव मुक्त रखने के लिए ये नमक बेहद कारगर है। ये शरीर में सेराटोनिन और मेलाटोनिन हर्मोन को नियंत्रित करता है, जिससे तनाव कम हो जाता है।

पाचन तंत्र दुरुस्त रखता है – लोग अक्सर व्रत में फलाहार खाते समय इस नमक का इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि सेंधा नमक अन्य सॉल्ट की तरह बॉडी पर हावी नहीं होता है और हल्का महसूस करवाता है। यह नमक पेट में पाचन रसों का निर्माण करता है जिससे खाना आसानी से पच जाता है।

बॉडी पेन को कम करता है – यह नमक बॉडी पेन और जोड़ों के दर्द से रहत दिलाता है। साथ ही मांसपेशियों में अकड़न या एंठन को दूर करता है।

2 समुद्री नमक या सी सॉल्ट के स्वास्थ लाभ

इसी नमक में आयोडीन मिलाकर बेचा जाता है। जिसे हम रेगुलर सॉल्ट के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

शरीर के P H स्तर को संतुलित रखता – समुद्री नमक में मैग्नीशियम होता है, जो आपके शरीर के क्षा॥ लेवल को मेन्टेन रखने में मददगार है। आहार में ली गयी इसकी संतुलित मात्रा आपको एसिडिटी से बचाती है।

अच्छा एक्स्फोलिएटर है – सी सॉल्ट त्वचा के डेड स्किन सेल्स को हटाता है। इसे पानी में डालकर नहाने से आपकी त्वचा की नमी भी बरकरार रहेगी।

डिहाइड्रेशन से बचाता है – हमारे शरीर में पानी के स्तर को बनाए रखने में सोडियम अहम भूमिका निभाता है। जबकि शरीर में सोडियम की कमी डिहाइड्रेशन की समस्या को जन्म देती है।

3 अब जानिए काला नामक के फायदे

बॉडी डिटॉक्स करता है – काला नमक नेचुरल बॉडी डिटॉक्स का काम करता है। ये नमक शरीर से सारे विषाक्त पदार्थ को बाहर निकाल देता है। इसका सेवन आपके शरीर को प्राकृतिक तौर पर साफ करता है।

कब्ज़ की समस्या को दूर करता है – काला नमक खाने से कब्जियत की समस्या नहीं होती और पाचन तंत्र भी मज़बूत होता है। ये नमक आपके पेट को हल्का महसूस करवाता है।

वज़न कम करने में सहायक – काला नमक आपका वज़न घटाने में भी सहायक है, क्योंकि ये प्राकृतिक तरीके से आपकी बॉडी का फैट बर्न करने में मदद करता है।

हड्डियां मज़बूत होती हैं – काला नमक खाने से हड्डियां भी मज़बूत रहती हैं। इसमें कई तरह के पोषक तत्व और मिनरल होते हैं, जो हड्डियां कमज़ोर नहीं पड़ने देते।

4 सॉवरकला या सोवर्चला लवण अथवा विदा नमक के सेवन के लाभ

नर्वस सिस्टम के लिए – विदा नमक का प्रयोग आयुर्वेदिक थेरेपी में किया जाता है। यह अपनी खास प्रोपर्टीज के कारण नर्वस सिस्टम को दुरुस्त रखने में कारगर है।

अस्थमा को कम करे – विदा नमक का सेवन अस्थमा के मरीजों को करना चाहिए, ये उनके श्वसन तंत्र को मज़बूत बनता है।

आखों की रोशनी बढ़ाये– आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए इस नमक का कई दवाओं भी प्रयोग किया जाता है।

शिकंजी पीने के फायदे

कुछ ड्रिंक्स ऐसी हैं, जो ज्यादातर गर्मियों में ही पी जाती है क्योंकि ये गर्मियों में होने वाली समस्याओं को खत्म करने में मदद करती हैं। जैसे, गर्मी के मौसम में एसिडिटी, जी मितलाना या खाना न पचने की समस्याएं होती हैं, ऐसे में ये ड्रिंक्स कारगर मानी जाती हैं। शिकंजी भी ऐसी ही ड्रिंक है, जिसका इस्तेमाल गर्मियों में स्वाद के लिए किया जाता है लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वाद के अलावा शिकंजी कई मायनों में शरीर के लिए फायदेमंद है। आइए, जानते हैं– –शिकंजी पीने से शरीर का इम्युन सिस्टम दुरुस्त करता है लेकिन इसे बनाने में यह सावधानी बरतनी चाहिए कि में चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करें। ज्यादा चीनी डालने से यह पेट में एसिडिटी पैदा करती है।

–गर्मियों में पसीना चलने से शरीर के कई तत्व बाहर आ जाते हैं। इसमें जरूरी इलेक्ट्रॉलाइट्स भी बाहर निकल जाते हैं। रोज एक गिलास से शिकंजी पीने से शरीर में इन तत्वों की मात्रा बनी रहती है।

–विटामिन सी से भरपूर शिकंजी त्वचा में निखार लाती है। हफ्ते में एक बार पीने से स्किन प्रॉब्लम्स भी दूर होती हैं।

–इसमें मौजूद पोटेशियम से हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल किया जा सकता है। जब भी हाई ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम महसूस हो, तो एक गिलास शिकंजी का सेवन करना चाहिए।

–इस पीने से डिप्रेशन और तनाव से आराम मिलता है। कई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि शरीर के हाइड्रेड रहने से तनाव से दूर रहने में मदद मिलती है। वहीं, शिकंजी में नींबू का इस्तेमाल होता है, जो आपको रिलेक्स रखने में कारगर है।

–शिकंजी पीने से मुंह से आने वाली दुर्गंध भी दूर होती है। शिंकजी दिन में दो से तीन बार पीने दांतों और मसूड़ों की समस्या में आराम मिलता है।

–शिकंजी पीने से हाजमा भी दुरुस्त रहता है। इसमें नींबू और नमक की मात्रा रहती है यह पेट को गर्म नहीं होने देता है।

रात में इनके सेवन से वजन रहता है कंट्रोल

वजन घटाने के लिए हम कितनी ही कोशिशें करते हैं लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि कुछ आदतें हमारी कोशिशों पर पानी फेर देती हैं। खासतौर पर रात में हम जो भी खाते हैं, उसका असर हमारे खाने पर पड़ता है।

ऐसे में रात के समय हमेशा हेल्दी डाइट ही लेनी चाहिए जिससे कि आपको पोषण तो मिले लेकिन आपके शरीर पर फैट न चढ़े। आज हम आपको ऐसी चीजें बता रहे हैं, जिन्हें रात के समय खाने से आपका वजन कंट्रोल रहने के साथ आपका बॉडी फैट भी घटता है।

ग्रीन टी – खाना खाने एक बाद एक कप ग्रीन टी न सिर्फ आपके

खाने को पचाएगी बल्कि इसे पीने से आपका पेट भी साफ होगा। ग्रीन टी पीने के बाद 5–10 मिनट टहलना न भूलें, वरना आपको गैस भी बन सकती है।

ब्रोकली – अपने डाइट प्लान में ब्रॉकली को जरूर शामिल करें। ब्रॉकली को स्टीम करके खाना चाहिए। इससे आपका वजन कंट्रोल होने के साथ स्किन प्रॉब्लम्स भी ठीक हो जाती हैं।

चेरी – रात को डिनर के बाद चेरी खाने से जहां आपको अच्छी नींद आएगी। इसके साथ ही इसे खाने से वजन भी कम होता है। चेरी

में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट से पेट की सूजन भी कम होती है।

बादाम – वजन कम करने के लिए अपने डाइट प्लान में बादाम को शामिल करें। बादाम में जहां एक ओर ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं। साथ ही इसमें मौजूद प्रोटीन आपकी मसल्स को भी रिपेयर करता है। इसके अलावा ये फैट करने में भी बेहतरीन असर दिखाता है।

उबले अंडे – प्रोटीन की पूर्ति के लिए उबले अंडे जरूर खाने चाहिए। शरीर में प्रोटीन की कमी दूर करने के साथ इससे फैट भी बर्न करने में मदद मिलती है। बिना कमजोरी वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में उबले अंडे जरूर शामिल करें।

वेट लॉस करने के लिए कब खाएं सलाद

सलाद खाने का जायका बढ़ा देता है। खासतौर पर जब खाने में ज्यादा स्वाद न हो लेकिन क्या आप जानते हैं कि खाने के साथ सलाद खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। आइए, जानते हैं सलाद खाने से जुड़ी दिलचस्प बातें–

खाने के साथ नहीं, इस टाइम खाएं सलाद – आप जब खाने के साथ सलाद खाते हैं, तो आपको पूरा पोषण नहीं मिल पाता। ऐसे में जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलने के साथ ओवर इटिंग से छुटकारा भी मिलेगा।

इस तरह सलाद खाने से वजन होगा कंट्रोल – सलाद अगर सही तरीके से खाया जाए, तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखने के साथ पेट साफ करने मे भी मदद करता है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकता है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाकर वजन नियंत्रित रखता है।

खाने के साथ क्यों नहीं खाना चाहिए सलाद – सलाद तापमान में ठंडी होता है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है, तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

6 महीने के शिशु के लिए चावल और दाल से बनाएं पाउडर, दिमाग होगा तेज और हड्डियां होंगी मजबूत

6 महीने से एक साल की उम्र तक के बच्चे के लिए सब्जी, अनाज या फलों से बेबी फूड तैयार किया जाता है और आज इस आर्टिकल में हम आपको चावल और दाल से बेबी फूड बनाने के तरीके और फायदे के बारे में बता रहे हैं।

दाल-चावल पाउडर बनाने का तरीका

ये पाउडर बनाने के लिए आपको एक कप या 200 ग्राम चावल और आधा कप या 100 ग्राम मूंग दाल की जरूरत होगी। इसे बनाने का तरीका है =

सबसे पहले चावल को अच्छी तरह से धोकर रख लें।

अब गैस पर एक पैन रखें और उसमें चावल डालकर हल्का भूरा होने तक भूनें। आपको चावल को 2 से 3 मिनट तक धीमी आंच पर भूनना है। जब तक चावल भुन रहे हैं, तब तक दाल को धो लें। चावल भुनने के बाद उसे निकाल लें और उसी पैन में दाल डालकर भूनें।

जब दाल हल्के भूरे रंग की हो जाए तो गैस बंद कर दें। फिर दाल और चावल दोनों को मिक्स कर के पीस लें। दाल और चावल का पाउडर तैयार है, इसे एयरटाइट कंटेनर में भर लें। आप इस पाउडर को दो महीने तक स्टोर कर के रख सकती हैं।

दाल-चावल पाउडर का कैसे करें इस्तेमाल

आप इस पाउडर से दलिया बना सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले पैन में आधा कप पानी डालें और फिर दो चम्मच दाल-चावल का बना पाउडर डालें। इसे अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद ढक कर उबालें। उबाल आने पर आंच धीमी कर लें और मिक्स करें। एक मिनट के लिए दोबारा ढक कर इसे पकाएं। 6 महीने से अधिक उम्र के शिशु के लिए दाल-चावल का दलिया तैयार है।

शिशु के लिए मूंग दाल के फायदे

मूंग दाल में प्रोटीन बहुत ज्यादा होता है और इसलिए यह शिशु की स्किन, बालों, नाखूनों और विकास में अहम भूमिका निभाता है। इसके अलावा मूंग दाल में घुलनशील फाइबर भी बहुत होता है जिससे बच्चों में कब्ज नहीं होती है। मूंग दाल बच्चों के पेट और पाचन को ठीक रहती है। आयुर्वेद के अनुसार मूंग दाल से ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है क्योंकि यह दाल भरपूर आयरन से युक्त है। आयरन से युक्त होने की वजह से मूंग दाल बच्चों को एनीमिया से भी बचाती है। इसमें मौजूद फोलिक एसिड दिमाग को तेज करता है।

शिशु के लिए चावल के फायदे

चावल में कार्बोहाइड्रेट होता है जो कि बच्चों को एनर्जी देता है। ये आसानी से पच भी जाता है और बच्चे को दिनभर एनर्जी देता है। चावल में नाइसिन, राइबोफ्लेविन, थाइमिन और विटामिन बी6 जैसे कई तरह के विटामिन होते हैं। ये विटामिन नर्वस सिस्टम, आंखों, स्किन और पाचन तंत्र के विकास के लिए बहुत जरूरी होता है। चावल में कैल्शियम और मैग्नीशियम खूब होता है जिससे बच्चे की हड्डियों को मजबूती मिलती है। चावल में थोड़ी मात्रा में जिंक, कॉपर और सेलेनियम भी होता है।

सीने में जकड़न और बार-बार सांस फूलना! अस्थमा लक्षणों को न करें अनदेखा

अगर आपको ऐसी समस्याएं होती हैं, तो सावधान होने का वक्त है क्योंकि ये लक्षण आम नहीं बल्कि अस्थमा के भी हो सकते हैं इसलिए अगर आपको ज्यादा परेशानी हो रही है, तो आपको तुंरत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। आइए, जानते हैं अस्थमा के कुछ शुरुआती लक्षण क्या है–

हमेशा सूखी खांसी का होना

ज्यादातर लोगों को सर्दी-जुकाम या फिर ब्रोंकाइटिस में कफ या सूखी खांसी आती है लेकिन ये अस्थमा का भी संकेत हो सकता है। हंसने या लेटने के बाद आपकी खांसी और बढ़ जाती है और ये खांसी आपके गले से नहीं बल्कि छाती से आती है। इस तरह के अस्थमा को कफ वेरिएंट अस्थमा कहते हैं।

हमेशा उबासी, सांस फूलना – लगातार उबासी, सांस फूलना या गहरी सांस की वजह हमेशा ऐंगजाइटी या थकान होती है। बासी या गहरी सांस लेने से शरीर को ज्यादा ऑक्सीजन मिलती है और कार्बन डाइऑक्साइड भी

ज्यादा बाहर निकलती है। ये तीनों चीजें वायुमार्ग में आए असंतुलन की वजह हो सकती हैं।

रात में इन समस्याओं का बढ़ना – आप कफ और सांस की घरघराहट की वजह से सो नहीं पाते हैं तो ये एक गंभीर समस्या हो सकती है। ठीक से ना सो पाने की वजह से एनर्जी कम हो जाती है और इसका असर मानसिक रूप से भी पड़ता है। क्रोनिक स्लीपलेसनेस को दिल की बीमारी या फिर डायबिटीज के संकेतों से भी जोड़ कर देखा जाता है।

सीने में जकड़न का होना – सीने में जकड़न या दर्द हमेशा दिल की बीमारी की वजह से नहीं होता है। ये भी अस्थमा का एक मुख्य लक्षण हो सकता है। सीने में जकड़न की वजह से अस्थमा अटैक आ सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि अस्थमा अटैक की वजह से सीने में जकड़न, सांस लेने में तकलीफ और कफ का अनुभव होता है।

हानिकारक नहीं है हरे बादाम का सेवन

कई लोग ऐसे होते हैं जिन्हें बादाम नहीं पचते। ऐसे में बादाम में मौजूद पोषक तत्व भी उन्हें नहीं मिल पाते। आपको भी अगर बादाम नहीं पचता, तो आप हरा बादाम खा सकते हैं। हरा बादाम न सिर्फ पोषक तत्वों से भरपूर होता है बल्कि आसानी से पच जाता है।

आइए, जानते हैं हरे बादाम खाने के फायदे-

– हरे बादाम स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं, क्योंकि ये एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होते हैं और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल सकते हैं। ये रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

– ये बादाम वजन घटाने के लिए अच्छे हैं, क्योंकि इनमें स्वस्थ वसा शामिल है। ये अतिरिक्त वसा को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

– हरे बादाम पेट के लिए अच्छे होते हैं क्योंकि इनमें बहुत अधिक फाइबर होता है, जो पाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाता है और कब्ज से मुक्ति दिलाता है।

– ये बालों के लिए भी फायदेमंद हैं, क्योंकि इनमें विटामिन, खनिज और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं।

– हरा बादाम फोलिक एसिड का अच्छा स्रोत है, जो भ्रूण के मस्तिष्क और न्यूरोलॉजिकल विकास में मदद करता है। इसमें मौजूद विटामिन ई बच्चे को अस्थमा के जोखिम से बचाता है।

इन सावधानियों के साथ खूब खाएं हरे बादाम

– सूखे बादाम के मुकाबले हरे बादाम में पानी की मात्रा अधिक होती है और फाइबर भी ज्यादा होता है। इसलिए गर्मियों के मौसम में सूखे बादाम के मुकाबले हरे बादाम ज्यादा खाए जा सकते हैं।

– हरे बादाम में पानी और फाइबर की मात्रा भरपूर होने के कारण ये गर्मियों के मौसम में पाचन में बहुत मदद करते हैं। वैसे तो हरे बादाम को खाने की मात्रा डाइट पर निर्भर करती है, पर आमतौर पर आठ से दस बादाम एक दिन में खाये जा सकते हैं।

– हरे बादाम में पोटैशियम अधिक होता है। इसलिए किडनी से जुड़ी परेशानी वालों को विशेषज्ञ से परामर्श के बाद ही इनका सेवन करना चाहिए।

– वैसे तो हरे बादाम को छिलकर खाया जा सकता है, पर कोई इस तरह न खाना चाहे, तो इनको ऑलिव ऑयल के साथ भी खा सकते हैं।

अपोलो प्रोटोन कैंसर सेंटर ने सिर और गर्दन के कैंसर के लिए उत्कृष्टता केंद्र लॉन्च किया

रायपुर। अपोलो प्रोटोन कैंसर सेंटर्स (एपीसीसी) ने सिर और गर्दन के कैंसर के लिए अपने अभूतपूर्व उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के उद्घाटन की घोषणा की है। कैंसर प्रबंधन के विस्तृत उपागमों और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ, एपीसीसी सिर और गर्दन के कैंसर के उपचार के तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है, जिससे रोगियों की कार्यक्षमता और सौन्दर्य संरक्षित करते हुए उन्हें सर्वोत्तम संभव ऑन्कोलॉजिकल परिणाम प्रदान किए जा सकेंगे।

सिर और गर्दन का कैंसर एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, दुनिया भर में सिर और गर्दन के कैंसर के मामलों में से 57.5त्न मामले एशिया से हैं। भारत पर भी इसका बहुत बोझ है क्योंकि विश्व भर में सिर और गर्दन के कैंसर के 30 प्र. मामले भारत से हैं। 2018 में, भारत में मुंह के कैंसर के 1,19,992 नए मामले और 72,616 मौतें दर्ज की गईं, जिससे देश को मुंह के कैंसर की राजधानी होने का दुर्भाग्यपूर्ण खिताब मिला। यह चिंताजनक रुझान यहाँ के लोगों की अनोखी आदतों, जैसे कि तम्बाकू चबाना, और धुआं रहित तंबाकू उपयोग से जुड़े मुंह के कैंसर के ज्यादातर मामलों के कारण है।

एपीसीसी में विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग की निदेशक – स्तन, सिर और गर्दन, डॉ. सपना नांगिया ने स्थिति की गंभीरता पर बल देते हुए कहा, भारत में सिर और गर्दन के कैंसर का प्रसार चिंता का कारण है, और इसके लिए एक विशेष तथा समेकित उपचार की आवश्यकता है। सिर और गर्दन कैंसर के लिए एपीसीसी का उत्कृष्टता केंद्र हमारे रोगियों की कार्यक्षमता और सौन्दर्य संबंधी परिणामों को प्राथमिकता देते हुए सर्वोत्तम संभव ऑन्कोलॉजिकल परिणाम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एपीसीसी में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार- सिर और गर्दन, डॉ. संदीप दुआराह ने कहा, सिर और गर्दन के कैंसर का प्रबंधन हमेशा एक बहु-विषयक उपागम रहा है। यहां एपीसीसी में, हमारे पास न केवल हमारी सहायता के लिए सभी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां उपलब्ध हैं, बल्कि हमारी ताकत हमारी टीम में निहित है, जो रोगी के कल्याण हेतु लिए गए सभी उपचार निर्णयों में एक-दूसरे पर भरोसा करते हुए, सही तालमेल के साथ काम करती है। एपीसीसी में, हम पूरे टीम वर्क में विश्वास करते हैं जो हमारी ताकत है।

केंद्र की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में रोबोटिक सर्जरी, वर्चुअल प्लानिंग और 3डी प्रिंटिंग, वॉयस बॉक्स कैंसर के लिए ष्टश्र2 लेजर, संभावित घातक कैंसर के शुरुआती निदान हेतु नैरो-बैंड इमेजिंग, हाई-एंड एंडोस्कोपिक इंस्ट्रूमेंटेशन और खोपड़ी-आधारित ट्यूमरों के लिए नेविगेशन सिस्टम शामिल हैं।

एपीसीसी में सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार – सिर और गर्दन, डॉ. नवीन हेडने ने केंद्र की क्षमताओं के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, एपीसीसी की हमारी टीम में समर्पित पेशेवर शामिल हैं जो सिर और गर्दन के कैंसर प्रबंधन में 100 से अधिक वर्षों का सामूहिक नैदानिक अनुभव लाते हैं। हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों से लैस हैं, और हमारा बहु-विषयक उपागम यह सुनिश्चित करता है कि रोगियों को उच्चतम स्तर की देखभाल मिले।

एपीसीसी में मेडिकल ऑन्कोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार – सिर और गर्दन, डॉ. प्रसाद ईश्वरन ने एक समन्वित उपागम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमारी टीम में विकिरण ऑन्कोलॉजिस्ट, रोबोटिक सर्जन, मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट, भाषण चिकित्सक, थेरानोस्टिक्स/परमाणु चिकित्सा विशेषज्ञ, और एनेस्थेसियोलॉजिस्ट सहित विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ शामिल हैं। यह बहु-विषयक उपागम हमें रोगियों को एक विस्तृत तथा व्यक्तिगत उपचार योजना प्रदान करने की अनुमति देता है। एपीसीसी कैंसर जैसी स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना करने वाले व्यक्तियों के लिए समग्र देखभाल प्रदान करना सुनिश्चित करता है। एक विस्तृत उपागम जो उनके शारीरिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक कुशलक्षेम को संबोधित करता है। इस उपागम में विशेष सेवाओं की एक श्रृंखला, जैसे कि उपचार के दौरान उचित पोषण सुनिश्चित करने के लिए आहार सहायता, बात करने और निगलने में कठिनाई से जूझते लोगों की सहायता के लिए निगलने और भाषण चिकित्सा जैसी सेवाएं शामिल हैं।

साइको-ऑन्कोलॉजी के चिकित्सक भावनात्मक सहायता प्रदान करते हैं और कैंसर की मानसिक पीड़ा से जूझते लोगों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को संबोधित करते हैं जबकि फिजियोथेरेपी टीम शारीरिक क्रिया को बनाए रखने या सुधारने में निरंतर मदद करती है।

एपीसीसी, रोगी की देखभाल योजना में इन घटकों को एकीकृत करके जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाता है और कुशलक्षेम को बढ़ावा देता है, यह पहचानते हुए कि ठीक होना केवल चिकित्सा उपचार तक ही सीमित नहीं है।

सिर और गर्दन के कैंसर के लिए इस उत्कृष्टता केंद्र का लॉन्च, कैंसर देखभाल को बेहतर बनाने और रोगियों के लिए सर्वोत्तम संभव परिणाम प्रदान करने हेतु एपीसीसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। अपनी अत्याधुनिक प्रैद्योगिकियों, विशेषज्ञों की अनुभवी टीम और ऑन्कोलॉजिकल तथा कार्यात्मक कुशलता दोनों के प्रति समर्पण के माध्यम से, एपीसीसी सिर और गर्दन के कैंसर के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

छठ पूजा के पहले दिन कुछ यूं सज-धजकर तैयार हुई मोनालिसा, साड़ी में दिख रहीं गजब की खूबसूरत

भोजपुरी फिल्मों की मशहूर ऐक्ट्रेस मोनालिसा उर्फ अंतरा बिस्वास अपने हॉट अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने भोजपुरी की 125 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। वह अपनी एक्टिंग के साथ साथ डांस और अपनी अदाओं के लिए भी जानी जाती हैं। खास बात ये है कि मोनालिसा ने अपने दम पर भोजपुरी फिल्मों के अलावा हिंदी, बंगाली, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम और उड़िया जैसी भाषाओं की फिल्मों में भी खूब नाम कमाया है।

मोनालिसा का नाम आज भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप ऐक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार है। वो टेलीविजन इंडस्ट्री का भी मशहूर नाम हैं। इसके अलावा मोनालिसा सोशल मीडिया पर भी खासा एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी एक से बढ़कर एक ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कर चर्चा में बनी रहती हैं। इसी बीच मोनालिसा एक बार फिर अपनी लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर चर्चा में आ गई हैं।

दरअसल, हाल ही में मोनालिसा ने अपने इंस्टा पर छठ पूजा के पहले दिन अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो साड़ी पहने गजब की खूबसूरत दिख रही हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा लाल रंग की बनारसी साड़ी पहने नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने हैवी ज्वेलरी भी कैरी किए हुए हैं।इसके साथ गहरे रंग की लाल लिपस्टिक लगाए और खुले हुए बालों में मोनालिसा काफी खूबसूरत दिख रही हैं। इस लुक में मोनालिसा वाकई अप्सरा जैसी दिख रही हैं। मोनालिसा का ये लुक देखते ही बन रहा है। खास बात तो यह है कि मोनालिसा ने इन फोटोज को साझा करते हुए अपने फैंस को छठ पूजा की बधाइयां भी दी हैं। जिसके बाद फैंस भी उनकी इन तस्वीरों पर कॉमेंट कर उन्हें छठ पूजा की शुभकामनाएं भेज रहे हैं। बता दें कि आज से छठ पूजा का महापर्व शुरू हो चुका है।मोनालिसा को भी छठ पूजा में गहरी आस्था है। वो हर साल अपने पति विक्रांत सिंह राजपूत के साथ छठ का महापर्व मनाती हैं।

श्रेयस अय्यर और रोहित शर्मा बॉलीवुड गाने पर ठुमके लगाते आए नजर

टीम इंडिया वर्ल्ड कप से बस एक कदम दूर है। 19 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल मुकाबला होना है। जिसको लेकर पूरा देश एक्साइडेट हैं। वहीं दूसरी तरफ इंडियन क्रिकेटर्स की खुशी भी सातवें आसमान पर है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो इस वक्त तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें श्रेयस अय्यर और रोहित शर्मा बॉलीवुड के गाने पर जमकर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं।

वायरल हो रहे वीडियो में दोनों बॉलीवुड के फेमस गाने कोई सहरी बाबू... पर जमकर ठुमके लगाते नजर आ रहे हैं। ना सिर्फ ठुमके बल्कि वीडियो में दोनों के एक्सप्रेशन भी कमाल के दिख रहे हैं, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। सामने आए वीडियो में आप देख सकते है कि कैसे दोनों प्लेयर्स मस्त-मग्न होकर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं।

वहीं दोनों के डांस के अलावा इस वीडियो में जिस चीज ने लोगों का ध्यान खींचा तो वो था वीडियो का कैप्शन, जिसपर लिखा है कुछ नहीं ब्रो 2019 का बदला ले लिया। हालांकि दोनों का ये वीडियो कब का है और ये दोनों क्यों डांस कर रहे थे ये तो वही जानते होंगे लेकिन दोनों को इस तरह से खुशी में झूमता देखकर फैंस को उनकी वर्ल्डकप परफॉर्मेंस की याद आ रही है और इतनी ही नहीं कुछ लोग न्यूजीलैंड के साथ हुए सेमीफाइनल को भी इससे जोड़कर देख रहे हैं।

बता दें कि आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के दो फाइनलिस्ट तैयार हैं। जहां एक ओर टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में एंट्री की, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। अब 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इसके लिए दोनों टीमें तैयार हैं। वहीं फैंस भी भारत और ऑस्ट्रेलिया के फाइनल मैंच को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं।

वास्तु से समाधान

– पं. देव नारायण शर्मा (वास्तु सलाहकार)

– दैनिक दैनन्दिनी https://www.dainandini.in

पांच तत्वों के संतुलन से वास्तु को संतुलित करें

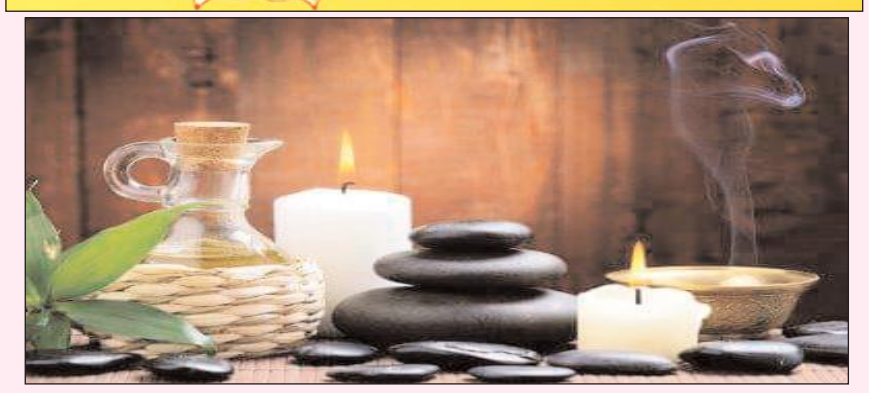

क्षिति जल पावक गगन समीरा ,पञ्च जनित यह अधम शरीरा -रामायण

जैसे हमारा शारीर पञ्च तत्वों से मिलकर बनी है उसी तरह से पूरा ब्रम्हांड भी इन्ही पञ्च तत्वों से मिलकर बना है -ये पञ्च तत्व है - आकाश, वायु ,पृथ्वी ,जल और अग्नि

1) आकाश तत्व- आकाश असीम अगम्य है। आकाश से ही शब्द की उत्पत्ति होती है। आकाश द्वारा प्रदत्त ध्वनि के उपहार ने हमारे जीवन को समृद्ध बना दिया है। मन्दिरों के गुम्बज एवं मसजिदों के मेहराव आकाश शक्ति की विपुलता के प्रतीक हैं। जब हम भवन के मध्य स्थान [गर्भ स्थान] को खुला रखते हैं तब आकाश तत्व खुलता है ,घर के अंदर ईश्वरीय कृपा इस आकाश तत्व के माध्यम से घर में प्रवेश करता है।

2) वायु तत्व- सारे प्राणी वायु से ही जीवन प्राप्त करते हैं। वायु में 78त्न नाइट्रोजन तथा 21त्न ऑक्सीजन होती है। इस 21 प्रतिशत आक्सीजन पर ही यह पूरा ब्रह्मांड जीवित है। अत: भवन बनाते समय वायु के उचित आवागमन का ध्यान रखते हुये काफी संख्या में रोशन दान तथा खिड़कियां होनी चाहिये। हवा के लिये उत्तर दिशा खुली रखनी चाहिये और केन्द्रीय भाग खुला होना चाहिये।पेड़ पौधों से आक्सीजन तैयार होता है अत- घर में पेड़ पौधों को उचित स्थान में लगाना चाहिए।

3) अग्नि तत्व– हम जानते है कि सूर्य ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है। अग्नि की ऊर्जा हमें सूर्य से आने वाले प्रकाश से प्राप्त होती है। अत: हमारे घर में खिड़कियों की ऐसी व्यवस्था हो कि प्रात:कालीन सूर्य की पवित्र रश्मियां अवश्य प्रवेश करें। व्यस्था ऐसी करें कि समुचित मात्रा मे ही प्रकाश प्रवेश करे अन्यथा ज्यादा देर तक सूर्य की तेज किरणें आने से घर गर्म हो जायेगा तथा अग्नि तत्व का आनुपतिक विश्लेषण बिगड़ जाएगा,जो हानिकारक होगा।

4) जल तत्व- जल का स्थान घर में शुद्ध होना चाहिये। पानी का नल, जल संग्रह एवम छत की टंकी सही स्थान पर होनी चाहिए। सैप्टिक टैंक एवं वर्षा के जल का निष्कासन सही दिशा मे होना चाहिये।

5) पृथ्वी तत्व- पर्यावरण तथा वायु मंडल की अनंत शक्तियों से पृथ्वी का गहरा सम्बंध है। पृथ्वी तथा अन्य तत्वों से जीवन क्रम का आरम्भ हुआ इसलिए पृथ्वी को माता का दर्जा दिया गया है। इसी कारण गृह निर्माण के समय पृथ्वी पूजन करते हैं।

अत: पृथ्वी तत्व को भी उचित स्थान भवन बनाते समय देना चाहिये। घर में लगने वाले निर्माण सामग्री जैसे ईंट ,पत्थर ,रेत इत्यादि पृथ्वी तत्व को प्रदर्शित करता है।

इन पांच तत्वों को यथोचित मान देते हुये ही भवन निर्माण करना चाहिये।

(वास्तु शास्त्र से सम्बंधित अपने प्रश्नों को 9425207282 पर वाट्सअप करें)

एंड पिक्चर्स पर 'चुप' के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ जबर्दस्त रोमांच और सनी देओल की एक्शन-पैक्ड परफॉर्मेंस के लिए हो जाइए तैयार!

एंड पिक्चर्स अपने दर्शकों के लिए चुप रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर लेकर आ रहा है। यह एक ऐसी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है, जो इंसानी सोच के अंधेरे कोनों की पड़ताल करती है और फिल्म इंडस्ट्री की कमजोर तह तक जाती है। यह फिल्म सिनेमाई दुनिया की बेबाक हकीकत बयां करती है, जहां फिल्म समीक्षक अनजाने में अपने ही कड़े फैसलों के शिकार हो जाते हैं और एक दर्दनाक अंत का सामना करते हैं। जब पूरा शहर इस तरह की भयानक वारदातों से गुजर रहा होता है, तब इंस्पेक्टर जनरल अरविंद माथुर, जिनका रोल सनी देओल ने निभाया है, को इस सीरियल किलर को बेनकाब करने का मुश्किल काम सौंपा जाता है, जो इन निर्मम हत्याओं के लिए जिम्मेदार है। फिल्म 'चुप' दर्शकों को फिल्म समीक्षा का स्याह, भयानक और सनसनीखेज पहलू दिखाती है। इसमें सिलसिलेवार कत्ल की रोंगटे खड़े कर देने वाली ऐसी वारदातें होती हैं, जिसने हमारे शहर की नाक में दम कर दिया है। जहां एंड पिक्चर्स फुल ऑन थ्रिल के अपने वादे पर खरा उतर रहा है, वहीं यह चैनल 18 नवंबर को रात 9 बजे फिल्म चुप का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर लेकर आ रहा है।

अपने बढ़िया डायरेक्शन और शानदार एक्टिंग के लिए आलोचकों और प्रशंसकों द्वारा बेहद सराही गई चुप = रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट को आईएमडीबी पर 7.6 की रेटिंग मिली है। इस फिल्म के लिए निर्देशक आर. बाल्की ने दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बेस्ट डायरेक्टर का अवॉर्ड भी अपने नाम किया है। फिल्म में बेहतरीन कलाकार हैं और बेहद टैलेंटेड डैनी समेत कुछ संदिग्ध किरदार हैं, जिसका रोल दिलकश एक्टर दलकीर सलमान ने निभाया है। इस फिल्म के लिए दलकीर सलमान को भी दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड में बॉलीवुड का अपना पहला अवॉर्ड मिला। इसमें उन्होंने एक फूल वाले की भूमिका निभाई है, जो बड़ा उलझा हुआ किरदार है।

इस फिल्म में श्रेया धनवंतरी ने एक उभरती पत्रकार नीला का किरदार निभाया है, जिसके अपने गहरे राज़ हैं और पूजा भट्ट डॉ. ज़ेनोबिया के किरदार में नजर आई हैं। यह कहानी कुछ प्रमुख संदिग्धों पर केंद्रित है और किस तरह ये सभी किरदार बड़ी रहस्यमय परिस्थितियों में सामने आते हैं, जिनमें कोई भी शक के दायरे से बाहर नहीं होता।

फिल्म चुप के पीछे के मास्टरमाइंड डायरेक्टर आर. बाल्की ने इसके वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर को लेकर अपना उत्साह ज़ाहिर करते हुए कहा, मैं एंड पिक्चर्स पर चुप के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ इस फिल्म को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाने के लिए बेहद उत्साहित हूं क्योंकि इस फिल्म ने मुझे दादा साहब फाल्के अवॉर्ड (बेस्ट डायरेक्टर) जैसा बड़ा सम्मान दिलाया है। हमने इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर को बनाने के लिए दिल से मेहनत की है, जो अपनी पेचीदा कहानी और रहस्यमय प्रस्तुतिकरण के साथ दर्शकों को चुनौती देती है और उनमें दिलचस्पी जगाती है। इस प्रीमियर के साथ चुप छोटे पर्दे पर एक नए स्तर की उत्सुकता जगाएगी और मुझे यह देखने का बेसब्री से इंतजार है कि कैसे एक बार फिर यह फिल्म दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखती है।

श्रेया धनवंतरी ने कहा, चुप मेरे लिए बतौर एक्टर और एक रोमांचक कहानी की दर्शक के रूप में एक शानदार सफर रहा। इस किरदार और इसकी उलझी हुई बारीकियां अपनाने के लिए मैंने पूरी लगन से गहरी रिसर्च की। इस फिल्म के मनोवैज्ञानिक पक्ष ने मुझे बतौर एक्टर अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर लाया और मेरे किरदार में एक ऐसी गहराई जोड़ी, जो यकीनन दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। हालांकि जिस खूबी ने वाकई मुझे इस प्रोजेक्ट के प्रति आकर्षित किया वो थी इसकी अनोखी स्क्रिप्ट और एक टैलेंटेड टीम के साथ काम करने का मौका। चुप एक बेहद रोमांचक सफर है और मैं दर्शकों को एंड पिक्चर्स पर यह गहरा सिनेमाई अनुभव करते देखने के लिए उत्सुक हूं।

तो आप भी सस्पेंस और रोमांच से भरपूर इस मास्टरपीस के साथ एक संगीन और दिल दहला देने वाले अनुभव के लिए तैयार हो जाइए 18 नवंबर को रात 9 बजे, सिर्फ एंड पिक्चर्स पर।

समाचार संक्षेप

स्कूलों में पाठ्यक्रम अधूरे, छहमाही में 70 फीसदी सिलेबस से ही सवाल

रायपुर। चुनाव कार्य में शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने का असर पढ़ाई पर भी दिखने लगा है। हालात यह है कि दिसंबर में होने वाली छहमाही परीक्षा में इस बार 80% की जगह 70% पाठ्यक्रम से ही सवाल आएंगे। दिसंबर से प्रथम सप्ताह से स्कूलों में छमाही परीक्षाएं शुरू होंगी। इसके लिए समय-सारिणी जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा जारी कर दी गई है। वस्तुस्थिति पता करने के लिए विभिन्न शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों, शिक्षकों व छात्रों से बात की तो यह ज्ञात हुआ कि निर्धारित पाठ्यक्रम अब तक पूर्ण नहीं हो सका है।

इन स्थितियों में जितना पाठ्यक्रम पूर्ण हो सका है, उतने में ही परीक्षाएं ली जाएंगी। कई स्कूल छमाही परीक्षाओं के बाद अतिरिक्त कक्षाएं लगाने की भी तैयारी में हैं, ताकि वार्षिक परीक्षाओं के पर्याप्त समय पहले कोर्स पूर्ण किया जा सके और छात्रों को रिवीजन के लिए भी वक्त मिले। बोर्ड कक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षा जनवरी माह में प्रारंभ होने की संभावना है। वहीं सैद्धांतिक परीक्षाएं मार्च के प्रथम सप्ताह से शुरू होंगी।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा सत्र के प्रारंभ में ही यह निर्धारित कर दिया जाता है कि माहवार प्रत्येक विषय के कितने यूनिट पूर्ण हो जाने चाहिए। इसके आधार पर ही छात्रों की परीक्षाएं ली जाती रही हैं। सामान्यतः नॉन बोर्ड कक्षाओं में छमाही परीक्षाओं में 80त्न सिलेबस से सवाल पूछे जाते रहे हैं। वहीं बोर्ड कक्षाओं में लगभग 100त्न पाठ्यक्रम से सवाल पूछे जाते हैं, ताकि बोर्ड परीक्षाओं के पूर्व ही छात्र संपूर्ण सिलेबस पर आधारित एक और परीक्षा दिला सकें और उनका अभ्यास हो सके। इस बार बोर्ड कक्षाओं में भी 20 प्रतिशत सिलेबस कम रहेगा। अर्थात दसवीं-बारहवीं के छात्रों से 80त्न पाठ्यक्रम से ही सवाल पूछे जाएंगे।

युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। मां मौली स्कूल के पास बुधवारी बाजार में पुराने विवाद को लेकर एक युवक ने दूसरे युवक पर चाकू से हमला कर प्राणघातक चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी श्यामाचरण मधुकर 47 वर्ष शुक्रवारी बाजार का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि उसका भतीजा विकाश मधुकर 23 वर्ष बुधवारी बाजार के तरफ गया था। तभी आरोपी रोहित यादव 26 वर्ष ने पुराना विवाद को लेकर प्रार्थी के भतीजा से विवाद कर चाकू से हत्या करने की नियत स हमला कर प्राणघातक चोट पहुंचाया। प्रार्थी की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपी को धारा 307, 506 बी के तहत हिरासत में लिया है।

घर में सो रही महिला के गले से सोने के जेवर पार

रायपुर। सतनामीपारा कोटा में घर में सो रही महिला के गले से अज्ञात चोर ने सोने को माला पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर सरस्वती नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

बीजेपी-कांग्रेस के प्रत्याशियों ने भी लाइन में लगकर दिए वोट

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 8 बजे से शुरू हो चुका है. वोट डालने मतदान केंद्र के बाहर मतदाताओं की लंबी लाइन लग गई है. वहीं अपने मतों का प्रयोग करने प्रत्याशी भी पहुंचे हैं. जहां वे वोटर्स के साथ लाइन में लगे नजर आए और अपने मताधिकार का प्रयोग किया.

दूसरे चरण के 70 सीटों में वोटिंग जारी है. जहां कांग्रेस प्रत्याशी मंत्री अनिला भेड़िया, भाजपा प्रत्याशी रंजना साहू, कांग्रेस प्रत्याशी धनेंद्र साहू, बीजेपी प्रत्याशी नारायण चंदेल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, कांग्रेस प्रत्याशी पंकज शर्मा और उनके पिता सत्यनारायण शर्मा, ताम्रध्वज साहू, भाजपा प्रत्याशी ओपी चौधरी, मंत्री अमरजीत भगत ने मतदान किया है. मंत्री अनिला भेड़िया सरकारी गर्ल इंग्लिश मिडियम स्कूल डौंडीलोहारा में मतदान करने पहुंची. प्रथम मतदाता होने के चलते मंत्री भेड़िया का तिलक लगा कर माला पहनाकर स्वागत किया गया. मंत्री अनिला जिस स्कूल में पहली क्लास पढ़ी हैं. उसी स्कूल में मतदान की. धमतरी के बिरेतरा में वर्तमान विधायक और भाजपा प्रत्याशी रंजना साहू मतदान केंद्र पहुंची. बिरेतरा उनका गृह ग्राम है. अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी धनेंद्र साहू ने मतदान किया. धनेंद्र साहू ने अपने गृह ग्राम तोरला के मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया. उन्होंने अभनपुर विधानसभा जीत सहित प्रदेश में 75 प्लस कांग्रेस की सरकार बनाने का दवा किया है. नेता प्रतिपक्ष और जांजगीर चाम्पा से बीजेपी प्रत्याशी नारायण चंदेल ने नैला वार्ड 3 के बूथ क्रमांक 79 में मतदान किया. मतदान के बाद जनता से मिलने उन्होंने क्षेत्र का भ्रमण किया. नारायण चंदेल ने जिले के मतदाताओ से मतदान करने का आह्वान किया. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और लोरमी प्रत्याशी अरुण साव ने अपनी पत्नी के साथ बिलासपुर के शेफर्ड स्कूल में मतदान किया. इस दौरान उन्होंने प्रदेश में पूर्ण बहुमत से बीजेपी की सरकार बन रही है.रायपुर ग्रामीण के कांग्रेस प्रत्याशी और विधायक सत्यनारायण शर्मा अवंति विहार स्थित विजय नगर चौक में शासकीय स्कूल में करेंगे मतदान. इस दौरान सत्यनारायण शर्मा ने कहा कांग्रेस का बहुमत आएगा, कांग्रेस की काम पर जनता को भरोसा है. सरगुजा संभाग के सीतापुर विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी और खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने मतदान केंद्र में पहुंचकर मतदान किया. वोट देने के बाद अमरजीत भगत ने सेल्फी पॉइंट में फोटो भी खिंचवाई. सिहावा विधानसभा में कांग्रेस प्रत्याशी अम्बिका मरकाम ने वोट डाला. उन्होंने गृह ग्राम गट्टासिल्ली में अपने मताधिकार का प्रयोग किया. अम्बिका मरकाम अपने परिवार और समर्थकों के साथ मतदान करने पहुंची.महासमुंद से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रश्मि चंद्राकर ने मतदान किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता विकास को चुनेगी और मुझे वियज बनाएंगे. भिलाई नगर विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव ने सेक्टर 5 के इंग्लिश मीडियम स्कूल में मतदान किया. देवेंद्र यादव अपनी पत्नी श्रुतिका के साथ मतदान करने पहुंचे. इस दौरान उन्होंने कहा मतदाता जकरुक है फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी और एक नया भिलाई हम सब मिलकर बनाएंगे. भिलाई नगर विधानसभा के 167 मतदान केंद्रों में हो रहा मतदान.

बिलासपुर संभाग के कोटा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी और छग पर्यटन मंडल अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव ने अपनी पत्नी के साथ केन मेमोरियल स्कूल में अपने मताधिकार का प्रयोग किया. इस दौरान अटल श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की लहर है, भारी बहुमत से फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी.

मरवाही कांग्रेस प्रत्याशी केके ध्रुव ने मतदान किया. वहीं मरवाही के जोगी कांग्रेस प्रत्याशी गुलाब राज ने मतदान किया. सक्ति विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी और विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत ने अपनी पत्नी सांसद ज्योत्सना महंत ने मतदान किया. रायपुर पश्चिम के भाजपा प्रत्याशी राजेश मूणत ने भी बूथ में जाकर अपने मतदान का प्रयोग किया है। रायपुर उत्तर विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा ने मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मत अधिकार का प्रयोग किया, वहीं भिलाई नगर कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव और महापौर नीरज पाल अपने परिवार के साथ वोट डालने पहुंचे है। वहीं पूर्व मंत्री वा भाजपा प्रत्याशी प्रेम प्रकाश पांडे मतदान करने सेक्टर 09 स्कूल पहुंचे। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव मतदान करने से पहले मां महामाया मंदिर पहुंचकर पूजा किया और जीत का आशीर्वाद लिया.

गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने ग्राम पाऊवारा में मतदान किया. मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया ने आरंग में अपनी पत्नी शकुन डहरिया और बेटी राजश्री के साथ मतदान किया. साजा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी रविन्द्र चौबे ने अपने परिवार के साथ गृह ग्राम मौहाभाटा में मतदान का उपयोग किया है.

सरोज पांडे, विकास उपाध्याय, रेणु जोगी ने किया मतदान

रायपुर » दैनन्दिनी.

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के 70 सीटों में सुबह 8 बजे से मतदान जारी है. दोपहर एक बजे तक 37. 87 प्रतिशत मतदान हुआ है. वहीं मतदान के इस पर्व में राज्यसभा सांसद सरोज पांडे, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के प्रमुख अमित जोगी एवं पाटन प्रत्याशी और कोटा विधायक रेणु जोगी ने मतदान किया. वहीं पश्चिम विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने भी मतदान किया. इस दौरान अमित जोगी ने लगाया बड़ा आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि पाटन विधानसभा में कई मतदान केंद्रों में हमारे पोलिंग एजेंट को घुसने नहीं दिया गया.

हम प्रचंड बहुमत के साथ बनाएंगे सरकार - सरोज पांडे

राज्यसभा सांसद और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे ने मतदान किया. बीआईटी कॉलेज के गुरु नानक स्कूल में अपना वोट डाला. सरोज पांडेय ने दावा किया कि सरकार की वादखिलाफी

और भ्रष्टाचार के खिलाफ लोग मतदान कर रहें हैं. हम प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएंगे.

अमित जोगी और रेणु जोगी ने किया मतदान

छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस के अध्यक्ष अमित जोगी ने वोट डाला. उनके साथ उनकी मां और कोटा प्रत्याशी रेणु जोगी ने भी गौरेला के सारबहरा मतदान क्रमांक 25 में अपने मत का प्रयोग किया. वहीं अमित जोगी ने कहा कि हमारी पार्टी ने अपने दम पर चुनाव लड़ा है भले ही हमारे पास पैसा नहीं है. फिर भी हम सफल होंगे. अमित जोगी ने दोनों प्रमुख पार्टी को चैलेंज देते हुए कहा कि यदि दम है तो शपथ पत्र देकर जनता के सामने जाएं सिर्फ घोषणा कर देने से कुछ नहीं होने वाला है. इसके साथ ही अमित जोगी ने बड़ा आरोप लगाते हुआ कहा कि पाटन विधानसभा में कई मतदान केंद्रों में हमारे पोलिंग एजेंट को घुसने नहीं दिया गया. उसके बावजूद भी हमें जनता का अपार समर्थन मिल रहा है. मेरी लड़ाई कोई भूपेश बघेल से नहीं है, मेरी लड़ाई लड़ाई अपराध भ्रष्टाचार और भय मुक्त छत्तीसगढ़ को लेकर के है.

कांग्रेस की फिर से बन रही सरकार : विकास उपाध्याय

रायपुर पश्चिम विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी विकास उपाध्याय ने भारत माता स्कूल स्थित मतदान केंद्र में मतदान किया. विकास उपाध्याय के साथ उनकी धर्मपत्नी संजना उपाध्याय ने भी मतदान किया. इस दौरान विकास उपाध्याय ने कहा कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस की मजबूत स्तिथि सामने आ रही है. प्रदेश की जनता ने सरकार के कामकाज सरकार की योजनाओं को अपने हाथों पर उठाया है. पश्चिम विधानसभा इलाके की जनता मेरा परिवार है. हम सभी से लोकतंत्र के महापर्व पर हिस्सा लेने की अपील करते है.. इस बार पुनः कांग्रेस की सरकार बन रही है.

मुख्यमंत्री के सलाहकार का नाम वोटिंग लिस्ट से कटा

रायपुर » दैनन्दिनी.

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मीडिया सलाहकार रूचिर गर्ग का नाम रायपुर पश्चिम सीट के वोटर आईडी लिस्ट से काट दिया गया है. इस संबंध में उन्होंने चुनाव आयोग से शिकायत भी कराई है.मुख्यमंत्री के सलाहकार कहते है कि कुछ दिनों पहले जब उनके घर प्रत्याशियों द्वारा भेजी जाने वाली पर्ची आई तो उसमें उनके नाम की पर्ची नहीं थी. उन्हें लगा कि संभवतः किसी तकनीकी कारण से पर्ची नहीं पहुंची होगी. जिसके बाद उन्होंने अपने नाम की पर्ची खोजनी शुरू की. लेकिन जब वे अपने नाम की पर्ची लिस्ट में देखने निकले तो पता चला कि उनका नाम यहां से

काट दिया गया है और उनका नाम रायपुर से 80 किलोमीटर दूर गुंडरदेही विधानसभा सीट में जोड़ दिया गया है. जिसके बाद उन्होंने चुनाव आयोग में इस संबंध में शिकायत भी की. हालांकि तब तक काफी देर हो गई थी और आज मतदान के दिन वे रायपुर से करीब 80 किलोमीटर दूर बालौद जिले के गुंडरदेही विधानसभा में वोट डालने पहुंचे. उन्होंने जागरूक मतदाता का परिचय देते हुए ग्राम झींका जाकर भी वोट डाला. जबकि उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने रायपुर पश्चिम विधानसभा सीट में ही वोट डाला.

मूलभूत सुविधा से वंचित ग्रामीणों ने किया मतदान का बहिष्कार

रायपुर » दैनन्दिनी.

छत्तीसगढ़ विधानसभा के दूसरे चरण का मतदान अधिकांश इलाकों में शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है, लेकिन कुछ-कुछ क्षेत्रों में मतदाताओं में आक्रोश भी देखने को मिल रहा है, जो सड़क जैसी मूलभूत सुविधा नहीं मिलने पर चुनाव बहिष्कार करने को मजबूर हैं. महासमुंद जिले के बसना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत चनौरडीह आश्रित ग्राम सीतापुर के ग्रामीणों ने चौड़े पक्के सड़क की मांग करते हुए चुनाव बहिष्कार कर दिया. ग्राम सीतापुर में कुल मतदाता 744 है, जिनमें से पुरूष मतदाता 355 और महिला मतदाता 389 हैं. दोपहर 2-30 बजे तक पोलिंग बूथ पर एक भी वोट नहीं पड़ा था. इसी तरह सारंगढ़-बिलाईगढ़ में ठेंगागुड़ीवासियों ने भी रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा देते हुए मतदान का बहिष्कार किया है. सरिया तहसील अंर्तगत बोरीदा पंचायत के आश्रित ग्राम ठेंगेगुडी के ग्रामीणों का कहना है कि सड़क को लेकर पर्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था, लेकिन मांगों पर ध्यान नहीं दिए जाने की वजह से वे चुनाव का बहिष्कार करने को मजबूर हैं.

जमीन अधिग्रहण का विरोध-वहीं रायगढ़ जिले के लैलूंगा विधानसभा क्षेत्र के तहसील तमनार के सारसमाल गांव में ग्रामीणों जमीन अधिग्रहण और जिंदल प्रबंधन द्वारा नौकरी नहीं दिए जाने का विरोध कर रहे हैं. ग्रामीणों ने सुबह 11 बजे तक मतदान केंद्रों का रुख नहीं किया था.

लोन लेने के लिए ITR बनवाए मात्र 500/- रू. में
जी.एस.टी. रिटर्न | FOOD लायसेंस
इनकम TAX फाईल | MSME रजिस्ट्रेशन
TDS रिफन्ड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिगनेचर
सम्पर्क- शेखर गुप्ता WWW.ONLYTDS.COM
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद करने हेतु तैयार
9300755544, 8878655544

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-ब्रजेश शुक्ला द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि.जयस्तंभ चौक रायपुर, (छ.ग.) से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com